केवल मेडिकल व्यवसायियों के लिए

सभी देशवासियों को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

PHARMA NEWS

Editor- Brejesh Kumar Garg   www.medicaldarpan.com   Monthly News Paper

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No. BSR 37/2021-2023 RNI UPBIL/2007/27885

Year 16 | Issue 06 | DOP 10 February 2023 | Pages 08 | ₹ 10/- Copy | ✆ 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com

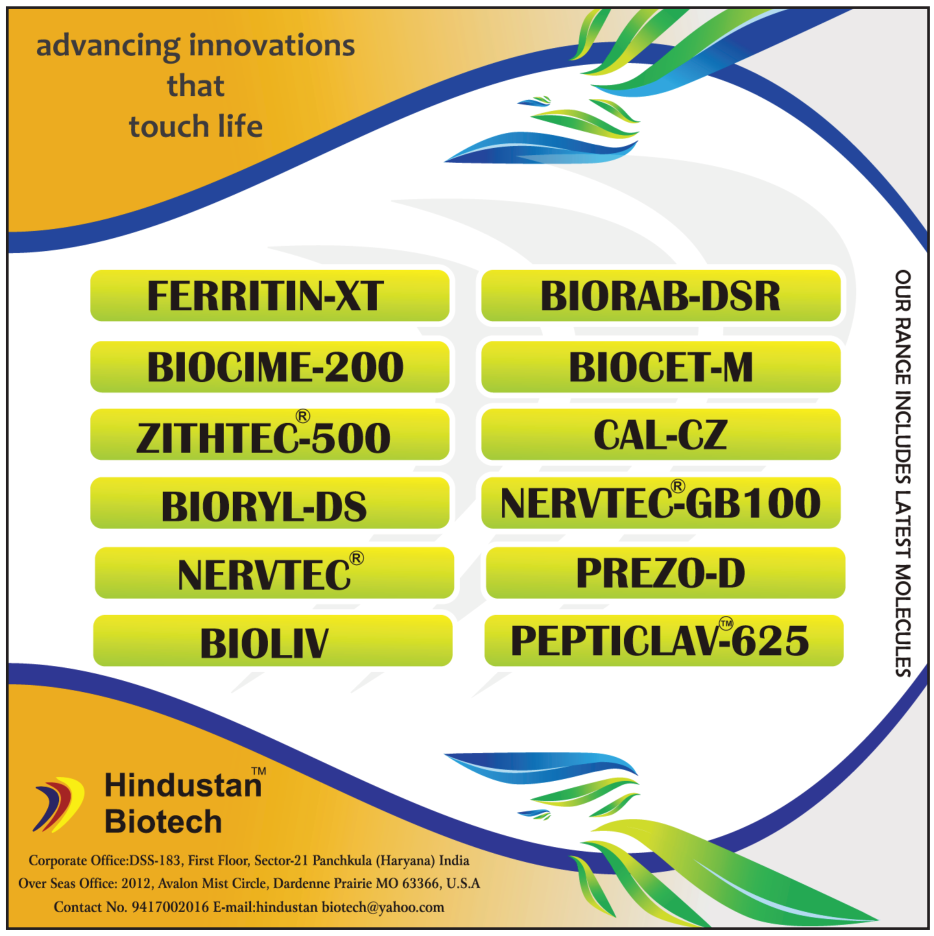

Work More, Always Smile

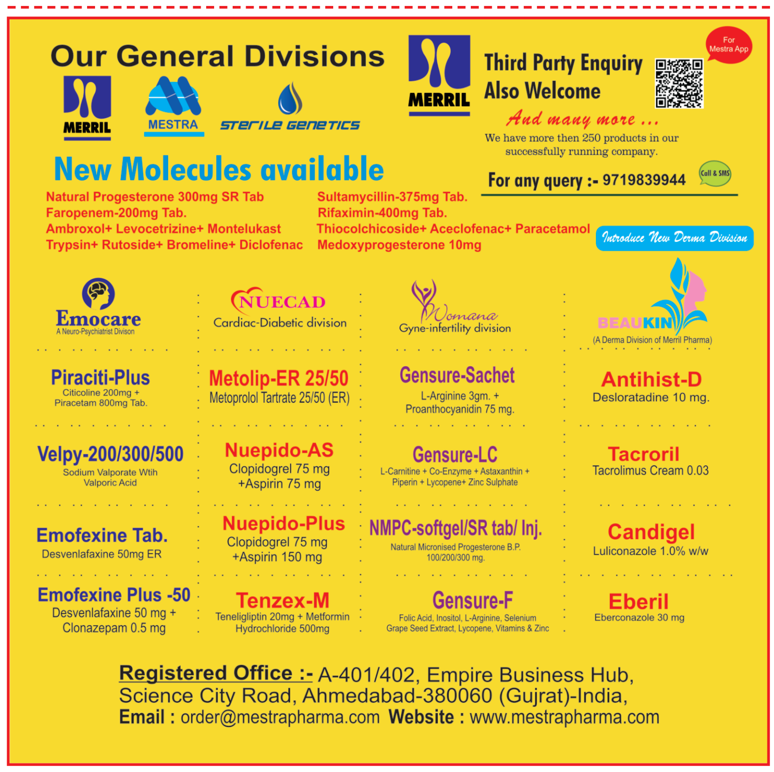

इंडियन फार्मा फेयर लखनऊ

जानकारी मिली है की 17-18 मार्च को लखनऊ में इंडियन फार्मा फेयर के बैनर तले एक विशाल फेयर का आयोजन किया जा रहा है. इस फेयर के डायरेक्टर शिवम् शर्मा ने बताया है कि इस फेयर में पुरे हिंदुस्तान से Third Party निर्माण, PCD और फ्रैंचाइजी से सम्बंधित करीब 50 स्टाल होंगे और आसपास के क्षेत्र की दवा मंडियों के करीब 4000 स्टाकिस्ट और मार्केटिंग कंपनी के स्वामियों के पहुंचनें की सम्भावना है. इस फेयर में प्रवेश निशुल्क है. इस फेयर में मेडिकल दर्पण मीडिया हाऊस के स्टाल पर आपका हार्दिक स्वागत है.

-शिवम् शर्मा, मो० 9258002828.

संकट

प्राप्त समाचार के अनुसार प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की दुकान में जिस मूल्य पर दवा सप्लाई की जाती है, उसी रेट पर देश की समस्त दुकानों में सप्लाई होनी चाहिए. जिससे सभी उपभोक्ताओं को एक ही मूल्य पर दवा मिल सके. दवा के मूल्य के अंतर ने पूरे देश के दवा व्यवसायियों के प्रति अविश्वास और प्रतिस्पर्धा उत्पन्न कर दी है. आज देश के लगभग 1700000 दवा व्यापारियों के परिवारों पर जीवन यापन का संकट आ खड़ा हुआ है. दवा व्यवसाई भी बर्बादी के कगार पर हैं, अगर सरकार खुद दृढ़ व निर्णायक नीति अपनाती तो यह संकट नहीं खड़ा होता और सभी दवा निर्माता एक ही मूल्य रखने को बाध्य हो जाते. अतः सरकार से आग्रह है कि एक मूल्य नीति निर्धारण कर इस व्यवसाय को बर्बाद होने से बचाएं

- नरेंद्र गुप्ता, मो० 7747990810.

FASTEST GROWING PCD COMPANY IN INDIA
ZOIC®
YOUR PARTNER IN HEALTH HEALING & HOPE
MORE THAN 300 PRODUCTS.
Wide Range of Products Available in Excellent Packing Covering All Major Segments
Tablets, Capsules, Softgels, Syrup, Injectable, Infusion, Ointments Soap, Shampoo, Paste, Powder, Neuro-Psychiatric And DCGI Approved Molecules Manufacture under Schedule 'm' With Who GMP Norms
Excellent Promotional Support By Way of Visual Aid Binder, Detailing Story, Literatures, Product at a Glance, Sample Catch Cover, Order Book, Visiting Cards, Mr Bag, Gifts etc.
Monopoly Business Opportunity
Best Service in Market · Best Quality Timely Delivery
Good Range of Products
WE OFFER WIDE RANGE OF FORMULATION
FOR MADE ENQUIRY
Correspondence Address
72/1, Tyagi Road, Rest Camp, Dehradun-248001 UK
Contact : +91-7060249961, +91-7088014041
E-mail : zoiclifesciences.med@gmail.com
Website : www.zoiclifesciences.com

बजट से निराश व्यापारी

फर्रुखाबाद फेडरेशन आफ आल इंडिया व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष व केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के जिला महामंत्री मनोज मिश्रा ने केंद्रीय बजट-2023 के बारे में कहा कि इसमें व्यापारियों को जीएसटी से राहत देने की कोई कोशिश नहीं की गई। इससे व्यापारियों में निराशा है। देश के खुदरा छोटे व्यापारियों की लंबे समय से मांग थी कि उन्हें बहुराष्ट्रीय ई-कॉमर्स कंपनियों के ऑनलाइन बाजार के नकारात्मक असर से बचाने के लिए उचित नीतियां बनाई जाएं। लेकिन केंद्र सरकार ने ऑनलाइन बाजार को नियंत्रित करने में कोई रूचि नहीं दिखाई हैं. इससे छोटे व्यापारियों में बजट को लेकर निराशा है। सरकार ने टैक्स स्लैब में बढ़ोतरी कर आम उपभोक्ताओं की जेब में ज्यादा पैसा छोड़कर मांग में बढ़ोतरी का रास्ता बनाने की कोशिश की है। इसे लेकर व्यापारियों ने सकारात्मक रुख दिखाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने दावा किया था कि देश में कई टैक्स दरों को हटाकर एक स्तरीय जीएसटी (GST) सिस्टम लागू करने से टैक्स अदायगी में लोगों को राहत मिलेगी। इससे व्यापारियों को कई स्तरों पर अलग-अलग टैक्स भरने की परेशानी से भी बचाया जा सकेगा। लेकिन यह नया सिस्टम उनके लिए ज्यादा परेशानी देने वाला साबित हुआ है। व्यापार जगत इस सिस्टम में बदलाव की मांग कर रहा था, लेकिन वर्तमान बजट में सरकार ने व्यापारियों को इससे कोई राहत देने का संकेत नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि देश का छोटा व्यापारी और दुकानदार अप्रत्यक्ष रूप से देश की अर्थव्यवस्था में भारी योगदान देता है। वह लगभग 11 करोड़ छोटे उपक्रमों के माध्यम से लगभग 44 करोड़ लोगों को रोजगार और आजीविका उपलब्ध कराता है। लेकिन बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भारी भरकम पूंजी और आक्रामक व्यापार रणनीति से इस वर्ग के व्यापार को भारी चोट लगी है। व्यापारियों की मांग है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियां बेतरतीब ढंग से छूट की घोषणा कर उनका व्यापार झटक ले रही है। व्यापारी नियमों में बदलाव के माध्यम से इस असंगति को दूर करने की मांग कर रहे थे लेकिन फिलहाल सरकार ने इस तरह की कोई राहत देने की और सकारात्मक रुख नहीं दिखाया है।

– **मनोज मिश्रा, जिलाध्यक्ष, व्यापार मंडल, फर्रुखाबाद, मो० 9919247731.**

GMP Quality · GLP
Bluepen Laboratories
PHARMA PCD FRANCHISE & 3RD PARTY MANUFACTURING
Latest Molecules
Timely Delivery
Quality Matters!
TRADE ENQUIRIES ARE WELCOME FROM ALL OVER INDIA
BLUEPEN LABORATORIES PVT. LTD.
Office : Rock Valley Apartment, Sewla Kalan, Majra, Dehradun, (UK) 248001
Call Us : + 91 9930311990
www.bluepenlaboratories.com Email : info@bluepenlab.co.in

दवा विक्रेताओं का महासम्मेलन

दवा विक्रेताओं का महासम्मेलन, सोमवार, दिनांक 13 फरवरी 2023 को राधा गोविन्द मंडप, गढ़ रोड, मेरठ में होने जा रहा है। कार्यक्रम निम्न प्रकार है-समापन के उपरान्त दोपहर के भोजन की व्यवस्था महासम्मेलन स्थल पर ही है. महासम्मेलन में उत्तर प्रदेश संगठन के अध्यक्ष श्री दिवाकर सिंह, महामंत्री श्री सुधीर अग्रवाल तथा अन्य पदाधिकारियों तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आगरा, अलीगढ़, बुलन्दशहर, बागपत, बड़ौत, गाजियाबाद, नोएडा, हापुड़, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, शामली एवं सहारनपुर के प्रतिनिधि भी इस महासम्मेलन में खुदरा व थोक विक्रेताओं की विभिन्न समस्याओं जैसे **1.** ऑनलाईन दवा की बिक्री से स्थानीय दुकानदारों के व्यापार पर चोट करना। **2.** कम्पनियों द्वारा स्कीम में हेराफेरी कर लेना।**3.** एक्सपायरी व ब्रेक्रेज में तंग करना। **4.** डाक्टर के क्लीनिक पर चलने वाले ब्रांड को बाजार में न देना, बैंकों के फर्जीवाड़े, **5.** ड्रग लाईसेंस नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल कराना ।**6.** छापेमारी का डर पैदा करना। **7.** जीएसटी विभाग द्वारा उत्पीड़न तथा बिना वजह नोटिस भेजना आदि है।किसी भी कैमिस्ट भाई की कोई भी समस्या हो तो वह भी अवगत कराये। प्रात: 11 बजे यह महासम्मेलन कैमिस्ट भाईयों की समस्याओं के समाधान के लिए संघनाद है। हमारा पूरा प्रयास होगा सभी रिटेलर व होलसेलर से सम्पर्क कर सकें पर समय कम इसीलिए आपसे भी सहयोग की आकांशा है कि सभी साथी कैमिस्टों को इस महासम्मेलन के विषय में बताकर आमन्त्रित कर लें। हमारा अगला प्रोग्राम सभी कैमिस्टों को मैम्बर बनाकर मैम्बरशिप सर्टीफिकेट देने का होगा.आपसे अपील है कि सोमवार 13 फरवरी 2023 प्रात: 11 बजे महासम्मेलन में अवश्य पधारें।

–राजेश अग्रवाल, मो० 9457818550, मेरठ.

दवाओं के दाम घटे

प्राप्त समाचार के अनुसार सस्ते इलाज की उम्मीद रखने वालों के लिए अच्छी खबर है केंद्रीय उर्वरक एवं रसायन मंत्रालय की नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी एनपीपीए ने 45 दिनों के भीतर तीसरी बार दवाओं के दाम घटा दिए हैं. एनपीपीए की जारी अधिसूचना में एसिडिटी ,सांस की बीमारी, एंटीबायोटिक और सिरप समेत 53 दवाओं को मूल्य निर्धारण के दायरे में ले लिया है. इससे इनके दाम 10 से 35% तक कम हो गए हैं. दवा निर्माता कंपनियों ने अभी नया स्टॉक बाजार में नहीं उतारा है फार्मास्यूटिकल कंपनियों का कहना है कि घटी हुई कीमतों के साथ नया बैच जल्दी उपलब्ध कराएंगे।

– नूर मोहम्मद, रामपुर, मो० 9456269821.

सावित्रीबाई अस्पताल का उन्नयन करेगा केएमसी, विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती

कोल्हापुर: कोल्हापुर नगर निगम सावित्रीबाई फुले अस्पताल को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में अपग्रेड करने जा रहा है. केएमसी ने अपने स्वास्थ्य विभाग में सुपर स्पेशियलिटी डॉक्टरों की भर्ती का प्रस्ताव दिया है। स्टाफिंग पैटर्न का मसौदा राज्य सरकार के शहरी विकास विभाग को सौंप दिया गया है। ड्राफ्ट स्टाफिंग पैटर्न के अनुसार, कार्डियोलॉजिस्ट, ईएनटी डॉक्टर, रेडियोलॉजिस्ट, स्किन स्पेशलिस्ट और सर्जन जैसे दस डॉक्टरों की भर्ती की जाएगी। सेवाएं शुरू करने से पहले विशेष डॉक्टरों के पद के लिए स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य है। केएमसी मौजूदा ऑपरेटिंग थिएटर को सर्जरी ओटी में अपग्रेड करने जा रहा है, जिसके लिए आवश्यक उपकरण और मशीनरी खरीदी जाएगी। रविकांत अडसुल, डिप्टी कमिश्नर, केएमसी ने कहा, वर्तमान में, हम मामले के आधार पर विशेष डॉक्टरों को बुलाते हैं। सावित्रीबाई फुले अस्पताल में कुछ डॉक्टर मानद आधार पर काम करते हैं। हालांकि, हमें अस्पताल चलाने के लिए स्थायी आधार पर उनकी जरूरत है। हमें जनप्रतिनिधियों द्वारा आश्वासन दिया गया है कि मौजूदा अस्पताल को या तो अपग्रेड किया जाएगा या नया बनाया जाएगा। सावित्रीबाई फुले अस्पताल मुख्य रूप से प्रसूति अस्पताल है। पिछले कुछ वर्षों में, अस्पताल का नवीनीकरण किया गया है। साथ ही, कई बीमारियों के इलाज के लिए एक गहन चिकित्सा इकाई स्थापित की गई है। सरकार द्वारा संचालित बीमा योजनाओं में अस्पताल के पैनल में शामिल होने के लिए एक आईसीयू की स्थापना पूर्व-आवश्यकताओं में से एक थी, जो कई उपचार मुफ्त प्रदान करते हैं।

www.ravianlifescience.com
Redesigning Quality Globally
Ravian
Contract Manufacturer/Exporter
BUSINESS ASSOCIATES
ALKEM · Zydus Cadila · Zuventus · GUFIC · Troikaa · La Renon · LINCOLN · Leeford · Remani · ajanta pharma
Certifications :
WHO-GMP
P.P.B.-(Kenya)
NDA-(Uganda)
DPML-(Ivory Coast)
M.O.H.-(Cambodia)
M.O.H.-(Iraq)
ISO 9001 : 2015 &
ISO 14001 : 2015
Production Capacity
Oral Solid 300 Crores Tabs
Hard Gelatin Caps 30 Crores Caps
Oral Liquid 10 Crores Bottles
More Than 250 COPP Available
Ravian Life Science Pvt. Ltd.
Plot No. 34, Sector-8A, SIDCUL, Haridwar (U.K.) India
Email: enquiry@ravianlifescience.com, marketinginfo@ravianlifescience.com
Business Modules
Direct Export, Contract Manufacturing for Export
Contract Manufacturing, PCD/Franchise for Pan-India Markets.
Dr. Alok Shankar Executive Director
Marketing 01334-230426, + 91-9258019547
Toll Free No. : 18003093312, Franchise : +91-8171114034

बिहार के छह और मेडिकल कॉलेजों में होगी कैंसर की कीमोथेरेपी

प्राप्त समाचार के अनुसार बिहार में अगले महीने के अन्दर छह और मेडिकल कॉलेजों में कैंसर की कीमोथेरपी होगी। बिहार स्वास्थ्य विभाग ने पटना के एनएमसीएच सहित गया, भागलपुर, पूर्णिया, मधेपुरा और दरभंगा मेडिकल कॉलेज में भी कीमोथेरेपी की सुविधा शुरू करने का निर्णय लिया है। अभी यह सुविधा पटना और मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज में ही उपलब्ध है। बिहार में हर साल 1.5 लाख नए कैंसर मरीज सामने आ रहे हैं जिनमें अधिकांश एडवांस स्टेज में होते हैं। इसलिए पैलिएटिव केयर पर ज्यादा काम करने की जरूरत है। बिहार के अभी 6 जिलों में पैलिएटिव केयर की सुविधा उपलब्ध है जिसे आगे बढ़ाकर 9 जिलों में करना है। इसी तरह रेडियोथेरेपी में सात में से छह सेंटर पटना में ही हैं। 14 जिलों में कैंसर स्क्रीनिंग और जागरूकता अभियान की सफलता को देखते हुए बिहार सरकार ने इसे बिहार के 38 जिलों में अभियान चलाने का संकल्प लिया है। भागलपुर, गया और मधेपुरा में भी नए रेडियोथेरेपी सेंटर खोले जायेंगे। बिहार सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में तत्पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि बिहार सरकार शुरु से ही स्वास्थ्य क्षेत्र में तत्पर रही है। भाभा कैंसर अस्पताल मुजफ्फरपुर के प्रभारी डॉ. रविकांत सिंह ने कहा कि बीते साल कैंसर स्क्रीनिंग और जागरूकता अभियान के तहत 3.50 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की गई जिसमें 471 कैंसर मरीज मिले थे और उनका इलाज किया गया था। उपनिदेशक डॉ. पंकज चतुर्वेदी ने कहा कि हम बिहार सरकार के साथ मिलकर 6 मेडिकल कॉलेज में डे केयर कीमोथेरेपी और 38 जिलों में कैंसर स्क्रीनिंग के लिए सहायता देंगे। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी को लेकर दुनिया भर में चर्चा होती है कि इसका इलाज कैसे बेहतर करें। लेकिन जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं, उन्हें कैसे सहायता दी जा सके, इसके लिए बिहार सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष के तहत बड़ी संख्या में गरीब मरीजों को मदद दी जा रही है.

> **जैसे मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्याग कर**
> **दूसरे नये वस्त्रों को ग्रहण करता है,**
> **वैसे ही आत्मा पुराने तथा वृद्ध शरीर को त्याग कर,**
> **नये शरीर को प्राप्त करती है.**

Inventing for Better Health...
CHARAN Laboratories (P) Limited
For a Healthier and Better Future...
OFFERING A WIDE RANGE OF LATEST MOLECULES FOR
THIRD PARTY MANUFACTURING
COMPANY OFFERING WIDE RANGE OF MEDICINES WITH GOOD PACKAGING
SOFTGELS · CAPSULES · OINTMENTS · LIQUID ORALS · EXTERNALS · DRY INJECTIONS · TABLETS Beta & Non Beta Lactam · SECTIONS
Head Office: 19/20, Dr. Bhopal Singh Market, Begum Bagh, Meerut, (Uttar Pradesh)-250001 (India)
Registered Office: 119, Ansal Chamber II, 6, Bhikaji Cama Place, New Delhi-66 (India)
Factory address: BHEL, Ancillary Estate Ranipur, Dist Haridwar, UK
Email: rishabh.bansal@charanlabs.in, info@charanlabs.in
Website: www.charanlabs.com
Contact Nos. (Tel.): +91-8126826826

फैक्ट्री का पर्दाफाश

प्राप्त समाचार के अनुसार लिसाड़ी गेट के इस्लामाबाद स्थित अहमदपुरा में पुलिस ने वजाहत राणा के मकान पर दबिश देकर नामचीन कंपनी का नकली सप्लीमेंट, प्रोटीन बनाने की फैक्ट्री पकड़ी. पुलिस ने मौके से वजाहत राणा, उसके भाई ईशान राणा और श्यामनगर निवासी अमन राणा को गिरफ्तार किया है. पुलिस को देख कर आधा दर्जन से ज्यादा लोग मौके से फरार हो गए. नकली प्रोटीन के डिब्बे रैपर और माल बरामद किया है. बरामद प्रोटीन की कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है. इससे पहले भी कंकरखेड़ा में नकली फूड सप्लीमेंट, प्रोटीन कैप्सूल और मकान के तहखाने से 42 लाख 39 हजार रूपये बरामद किए गए थे. नगर में सबसे ज्यादा प्रोटीन का बाजार है जहां से मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, बुलंदशहर, बागपत, बिजनौर, शामली दूसरे राज्यों में सप्लाई हो रहा था. शहर में कई जगह पर नकली प्रोटीन खुलेआम बेचा जा रहा है. यह ब्रांडेड प्रोटीन से काफी सस्ता मिलता है.जिसे खाकर लोग बीमार तक पड़ जाते हैं. और पहले भी ऐसे प्रोटीन बनाने वाले पकड़े जा चुके हैं. लेकिन उन पर अंकुश नहीं लग पा रहा है।

– नूर मोहम्मद, रामपुर, मो० 9456269821.

Franchisee/PCD
Franchisee/PCD
Franchisee/PCD
Third Party
Third Party
Third Party
Monopoly Business Rights
AYURVEDIC & NUTRACEUTICALS
Tablets · Capsules · Syrup
Sachet · Oil (Herbal & Cosmetic) · Powder (Whey & Herbal Protein Powder)
External Preparation (Cream, Lotion, Face Wash, Shampoo & Soap)
Blue Star Laboratories · BLUE STAR NUTROSANITA PVT. LTD. · MAYLEBENS INDIA PVT. LTD.
Office: 206, Blue Star Plaza, Sarja Mkt, Opp. M2K, Sector 7, Rohini, Delhi-85
Work: Plot No.-6, Sector-56, Phase-4, HSIIDC, Kundli-131028 (Haryana)
Ph.:011-27040437, 9810165707, Email: bsnspl@gmail.com

दिल्ली के अस्पताल को मिले 1,800 करोड़ रुपये, मांग से 13% कम

नई दिल्ली: अधिकारियों के अनुसार, केंद्र ने वित्त वर्ष 2023-24 में सफदरजंग अस्पताल को 1,826 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, जो उसकी 2,100 करोड़ रुपये की मांग से 13% कम है। इसमें से 43 करोड़ रुपये कैंसर रोगियों के इलाज के लिए लीनियर एक्सेलेरेटर (LINAC) जैसे उच्च तकनीक वाले उपकरणों के लिए आवंटित किए गए हैं। शेष धनराशि स्वीकृत अवसंरचनात्मक परियोजनाओं पर खर्च की जाएगी, जिसमें अंडरग्रेजुएट्स के लिए एक नया व्याख्यान थियेटर, एक सभागार और एक छात्र छात्रावास शामिल है। कुछ चल रही परियोजनाओं, जैसे इसके खेल चोट केंद्र और नर्सिंग आवासीय परिसर, जो द्वारका में बन रहे हैं, को भी आने वाले वित्तीय वर्ष में धन मिलेगा। पिछले साल, केंद्र सरकार ने 1,700 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया था, जबकि 2021 में अस्पताल को 1,515 करोड़ रुपये मिले थे। प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों के महंगाई और अन्य भत्तों में 7% वार्षिक वृद्धि हुई है। वर्तमान में, अस्पताल में 6,000 नियमित और 4,500 आउटसोर्स कर्मचारी हैं। इसके अलावा, पेशेवर सेवाओं के शुल्क में भी वृद्धि हुई है, जिससे पिछले वित्त वर्ष से बजट में वृद्धि हुई है। अधिकारियों ने कहा कि जहां संचालन और रखरखाव की लागत में हर साल कम से कम 10% की वृद्धि हुई है, वहीं सामग्री और आपूर्ति की लागत भी बढ़ी है।

हाई-टेक रेडियोथेरेपी उपकरण जल्द ही अस्पताल कैंसर रोगियों की रेडियोथेरेपी के लिए एक नई अत्याधुनिक मशीन LINAC स्थापित करने के लिए तैयार है। "वर्तमान में, हमारे पास एक उपकरण है लेकिन वह समाप्त होने के कगार पर है। इसलिए, हम LINAC की खरीद करेंगे, जो एक उच्च अंत तकनीकी उपकरण है," अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ बीएल शेरवाल ने कहा। उन्होंने कहा कि डिवाइस की कीमत करीब 25 करोड़ रुपये है।

LINAC रोगी के ट्यूमर के क्षेत्र में उच्च-ऊर्जा एक्स-रे और इलेक्ट्रॉन उत्पन्न करता है। उपचार को इस तरह से डिजाइन किया जा सकता है कि बीम आसपास के सामान्य ऊतकों को बख्शते हुए कैंसर कोशिकाओं को नष्ट कर दें। वर्तमान में सफदरजंग अस्पताल में रेडियोथेरेपी के लिए तीन कोबाल्ट-60 मशीनें हैं। इनमें से दो मशीनें काम नहीं कर रही हैं और केवल एक का इस्तेमाल कैंसर रोगियों के इलाज के लिए किया जा रहा है। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि लिनेक की खरीद के लिए जल्द ही टेंडर निकाला जाएगा। इसे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है।

नई तकनीक मस्तिष्क उत्तेजना को सूचित करने में मदद कर सकती है: शोध

वाशिंगटन: दिमागी उत्तेजना का एक प्रकार डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डीबीएस) न्यूरोलॉजिकल और मनोरोग संबंधी समस्याओं के लिए एक प्रभावी उपचार है. हालांकि इसने पार्किंसंस, अल्जाइमर और नशे की लत के रोगियों को दस वर्षों से अधिक समय तक मदद की है, अंतर्निहित तंत्रिका तंत्र अभी भी पूरी तरह से समझा नहीं गया है। क्वींसलैंड ब्रेन इंस्टीट्यूट (QBI) के शोधकर्ता अब इस तंत्र को बेहतर ढंग से समझने और संभावित रूप से DBS परिणामों की भविष्यवाणी करने के लिए मस्तिष्क गतिविधि के रहस्य को उजागर करने के करीब एक कदम हैं।मस्तिष्क व्यापक कनेक्शन के साथ श्रेणीबद्ध रूप से व्यवस्थित सर्किट का एक अत्यधिक जटिल नेटवर्क है। कनेक्शन अलग-अलग दिशाओं में, आगे और पीछे, और न्यूरॉन्स के बीच जाते हैं जो या तो उत्तेजक होते हैं - एक प्रतिक्रिया के त्वरक - या निरोधात्मक - एक प्रतिक्रिया को संशोधित करने वाले ब्रेक। एसोसिएट प्रोफेसर काई-हिसयांग चुआंग ने कहा, "मान लीजिए कि आप अपना हाथ हिलाना चाहते हैं - एक बार संकेत शुरू हो जाने के बाद, हम उम्मीद करते हैं कि आगे की गतिविधि मस्तिष्क के तंत्रिका नेटवर्क पर निर्भर करती है।" जो हम पूरी तरह से नहीं समझते हैं वह यह है कि कैसे या कब मस्तिष्क के ये संरचनात्मक और कार्यात्मक घटक अंत: क्रिया करते हैं और अंततः आपके हाथ को हिलाने के परिणाम की ओर ले जाते हैं। कार्यात्मक एमआरआई (fMRI) मस्तिष्क नेटवर्क का अध्ययन करने के लिए उपयोग की जाने वाली सबसे लोकप्रिय तकनीक है। fMRI तंत्रिका गतिविधि के बाद रक्त प्रवाह और ऑक्सीकरण परिवर्तन को ट्रैक करता है, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से बनने वाले कार्यात्मक कनेक्शन को मापता है, और हमें यह संकेत देता है कि मस्तिष्क गतिविधि कहाँ फैल रही है। हालाँकि, मस्तिष्क की गतिविधि एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में यात्रा करने वाले सिग्नल की तरह सरल नहीं है। चुआंग प्रयोगशाला की टीम ने एक नई अल्ट्राफास्ट fMRI तकनीक विकसित की है, जो एक बड़े पैमाने पर बढ़े हुए टेम्पोरल रिजॉल्यूशन के साथ है, जिससे उन्हें उप-दूसरे स्तर पर मस्तिष्क गतिविधि की गतिशीलता को पकड़ने में मदद मिलती है।

एसोसिएट प्रोफेसर चुआंग ने कहा कि नई तकनीक ने इस बात की अधिक व्यापक समझ पैदा की है कि मस्तिष्क के संरचनात्मक और कार्यात्मक कनेक्शन कैसे और कब परस्पर क्रिया करते हैं। "हमने जो पहली नई खोज की है, वह यह है कि मस्तिष्क की गतिविधि न केवल संरचनात्मक तारों के माध्यम से फैलती है, बल्कि उनके उत्तेजक और निरोधात्मक न्यूरोनल वितरण के आधार पर कुछ अधिमान्य सर्किटों का अनुसरण करती है," उन्होंने कहा। "समान कोशिका प्रकार के मस्तिष्क क्षेत्रों के बीच संचार अधिक धाराप्रवाह हो जाता है, और मस्तिष्क गतिविधि मजबूत होती है।" चुआंग समूह ने अपनी अल्ट्राफास्ट fMRI तकनीक का उपयोग करते हुए उत्तेजित और आराम करते समय चूहों की मस्तिष्क गतिविधि को ट्रैक किया। जब मस्तिष्क को उत्तेजित किया गया था, तो गतिविधि आगे की दिशा में संरचनात्मक तारों का पालन करती थी - ए से बी और फिर बी से सी तक। सी और बी लेकिन ए के साथ नहीं, अगर वह अधिमान्य सर्किट था।इसका मतलब यह है कि जानकारी को कैसे संसाधित किया जाता है यह वास्तव में आपके राज्य पर निर्भर करता है, जहां पहले यह सोचा गया था कि मस्तिष्क की गतिविधि उसी तरह से काम करती है चाहे वह आराम कर रही हो या किसी कार्य को करने में व्यस्त हो एसोसिएट प्रोफेसर चुआंग ने कहा, "हमने जो दूसरी खोज की, वह यह थी कि एफएमआरआई द्वारा पता लगाया गया रक्त संकेत नेटवर्क संगठन और सेल प्रकार के वितरण को प्रतिबिंबित कर सकता है।" "इन निष्कर्षों के महत्वपूर्ण प्रभाव हैं कि मस्तिष्क संरचना कैसे काम करती है, और इस संरचना के ज्ञान के आधार पर गतिविधि की भविष्यवाणी कैसे करें। अधिक व्यावहारिक रूप से, अब हम जो जानते हैं वह डीबीएस और अन्य मस्तिष्क उत्तेजना तकनीकों के डिजाइन को प्रभावित करेगा।" अगले चरण हैं यह निर्धारित करने के लिए मस्तिष्क उत्तेजना में पारंगत चिकित्सकों के साथ काम करने के लिए हम डीबीएस की हमारी समझ को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए मानव डेटा के साथ संयुक्त रूप से इस ज्ञान का उपयोग कैसे कर सकते हैं

दिवालियापन अदालत ने वासन हेल्थ केयर के लिए एएसजी अस्पताल की पुनरुद्धार योजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली: दिवालियापन अदालत ने 520 करोड़ रुपये के विचार के लिए वासन हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण करने के लिए एएसजी अस्पताल प्राइवेट लिमिटेड की संकल्प योजना को मंजूरी दे दी। जस्टिस राम. लिंगम सुधाकर और समीर कक्कड़ की अध्यक्षता में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की चेन्नई बेंच ने रेजोल्यूशन प्लान को मंजूरी देते हुए कहा कि यह कॉर्पोरेट देनदार (वासन हेल्थ केयर) और अन्य हितधारकों पर बाध्यकारी है ताकि इसका पुनरुद्धार किया जा सके। कंपनी तत्काल प्रभाव से लागू होगी। ट्रिब्यूनल ने कहा, "कुल मिलाकर, सभी अनुपालन आरपी और समाधान आवेदक (एएसजी अस्पताल) द्वारा किए गए हैं ताकि इस न्यायनिर्णयन प्राधिकरण द्वारा अनुमोदन के बाद योजना को प्रभावी बनाया जा सके।" जोधपुर मुख्यालय वाला एएसजी अस्पताल सफल बोलीदाता के रूप में उभरा था और फरवरी 2022 में 97.9% मतदान के साथ वासन हेल्थ केयर के सुरक्षित लेनदारों द्वारा इसकी संकल्प योजना को मंजूरी दी गई थी। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, भारत के 41 शहरों में इसके 49 अस्पताल हैं। एमके राजगोपालन और डॉ. अग्रवाल हेल्थकेयर लिमिटेड ने भी वासन हेल्थ के लिए अलग-अलग बोली लगाई थी। समाधान योजना के अनुसार, 520 करोड़ रुपये के कुल विचार में से, एएसजी अस्पताल एक वर्ष की अवधि के भीतर कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा, जबकि विभिन्न लेनदारों को 394 करोड़ रुपये का भुगतान अनुमोदन की तारीख से 30 दिनों के भीतर किया जाएगा। एनसीएलटी द्वारा संकल्प योजना। ट्रिब्यूनल ने अपने 61 पन्नों के आदेश में कहा, "नगरानी समिति के पास निदेशक मंडल की शक्तियाँ और कार्य होंगे।" ट्रिब्यूनल ने निर्देश दिया, निगरानी समिति भंग हो जाएगी और आरए के पुनर्गठित बोर्ड समापन तिथि पर सभी लेनदारों को भुगतान पर सीडी के प्रबंधन का नियंत्रण ले लेंगे। मूल रूप से, कंपनी को अप्रैल 2017 में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेंसी रेजोल्यूशन प्रोसेस (CIRP) के तहत इसके परिच. ालन लेनदार Alcon Laboratories (India) Pvt Ltd द्वारा दायर एक याचिका में भर्ती कराया गया था। कंपनी ने लगभग 1,629 करोड़ रुपये की देनदारियों को स्वीकार किया था। चेन्नई स्थित दिवालिया कंपनी के वित्तीय ऋणदाताओं में एडलवाइस एआरसी, कोटक महिंद्रा बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शामिल हैं।लॉ फर्म नानावटी एसोसिएट्स के मैनेजिंग पार्टनर कुणाल के नानावती ने कहा, "यह आदेश मूल्य अधिकतमकरण की प्रधानता को पहचानता है और संभावित देरी के बावजूद भी इसे सर्वोच्च महत्व देता है। "यह ऑपरेटिव शक्तियों के व्यापक दायरे को भी पहचानता है जो सीओसी के पास है या इस तरह के मूल्य अधिकतमकरण की मांग करने में खुद को अनुदान दे सकता है।"

बुखार, कैंसर, हार्टअटैक सहित देश भर में बढ़ी 74 दवाईयों की कीमत

प्राप्त समाचार के अनुसार राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (NPPA) ने देश भर में बुखार कैंसर और हार्टअटैक सहित 74 दवाईयों की कीमत बढ़ा दी है। अब नई MRP पर ये दवाईयां बाजार में उपलब्ध होगी। 56 दवाओं की अधिकतम कीमतें और 18 दवाओं की खुदरा कीमतें (MRP) तय की गई हैं। पहले से ही महंगाई की मार झेल रही आम जनता पर दवाईयों कीमत बढ़ने से जोरदार झटका लगा है।इन बढ़ती कीमतों के बाद अब एलर्जी, हृदय रोग, कैंसर, अल्सर, माइग्रेन, सर्दी, जुकाम, बुखार, एंटीबायोटिक दवाओं सहित फंगल इन्फेक्शन की दवाएं और इंजेक्शन महंगे मिलेंगे। इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (NPPA) के उपनिदेशक महावीर सैणी ने अधिसूचना जारी करके जानकारी दी है कि 74 दवाइयों के कीमतों में बदलाव किया जा रहा है। दवा नियामक ने कीमतों में यह संशोधन औषधि (कीमत नियंत्रण) आदेश-2013 के तहत किया है। कुछ दवाओं की खुदरा कीमतें, कुछ की अधिकतम कीमतें तय की गई हैं। देश भर में बढ़ी 74 दवाईयों की कीमत हर साल 10 प्रतिशत दवाओं की कीमत बढ़ेगी औषधि आदेश (DPCO) 2013 के तहत अनुसूची एक में शामिल आवश्यक दवाओं का अधिकतम मूल्य प्राधिकरण तय करता है। जो दवाएं मूल्य नियंत्रण के तहत नहीं आती हैं, उसके निर्माताओं को सालाना 10 प्रतिशत खुदरा कीमतें बढ़ाने की अनुमति है।

इससे पहले राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (NPPA) ने एमॉक्सिसिलिन और क्लेवुलेनिक एसिड के एंटीबायोटिक इंजेक्शन, डायबिटीज, वैंकोमाइसिन, दमा के रोग में इस्तेमाल होने वाली सैल्बुटेमोल, कैंसर की दवा ट्रैस्टुजुमैब, दर्द निवारक दवा Ibuprofen और बुखार में दी जाने वाली Paracetamol को अपनी लिस्ट में शामिल करते हुए इन दवाओं की कीमत घटाई थी।गौरतलब है कि राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (NPPA) साल 1997 में स्थापित राष्ट्रीय औषधि मूल्य-निर्धारण प्राधिकरण (NPPA) औषधि उत्पादों की कीमतें निर्धारित और संशोधित करने के साथ ही डीपीसीओ के प्रावधानों को लागू करने और नियंत्रित दवाओं की कीमत पर नजर रखने का काम करता है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (NPPA) ही दवाओं की कीमत बढ़ाने और घटाने का काम करता है।

खराब मौखिक स्वास्थ्य मस्तिष्क स्वास्थ्य में गिरावट में योगदान दे सकता है

डलास: अमेरिकन स्ट्रोक एसोसिएशन के अंतर्राष्ट्रीय स्ट्रोक सम्मेलन 2023 में प्रस्तुत किए जाने वाले प्रारंभिक शोध के अनुसार, अपने दांतों और मसूड़ों की देखभाल करने से मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ाने जैसे मौखिक स्वास्थ्य से परे लाभ हो सकते हैं। बैठक, जो 8 फरवरी से 10 फरवरी, 2023 तक व्यक्तिगत रूप से और इलेक्ट्रॉनिक रूप से डलास में आयोजित की जाएगी, स्ट्रोक और मस्तिष्क स्वास्थ्य शोधकर्ताओं और चिकित्सकों के लिए दुनिया का अग्रणी मंच है। अध्ययनों से पता चला है कि मसूड़ों की बीमारी, दांतों का गायब होना और खराब मौखिक स्वास्थ्य के अन्य लक्षण, साथ ही ब्रश करने की खराब आदतें और पट्टिका हटाने की कमी, स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाते हैं। अमेरिकन स्ट्रोक एसोसिएशन के अनुसार, स्ट्रोक मौत का नंबर 5 कारण है और संयुक्त राज्य अमेरिका में विकलांगता का एक प्रमुख कारण है। पिछले शोध में यह भी पाया गया है कि मसूड़ों की बीमारी और अन्य मौखिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ हृदय रोग के जोखिम कारकों और उच्च रक्तचाप जैसी अन्य स्थितियों से जुड़ी हैं। अध्ययन लेखक साइप्रियन रिवियरने कहा, "यह स्पष्ट नहीं है कि क्या खराब मौखिक स्वास्थ्य मस्तिष्क स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, जिसका अर्थ है किसी व्यक्ति के मस्तिष्क की कार्यात्मक स्थिति, जिसे अब हम चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग या एमआरआई जैसे न्यूरोइमेजिंग टूल का उपयोग करके बेहतर ढंग से समझने में सक्षम हैं।", एमडी, एमएस, न्यू हेवन, कनेक्टिकट में येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में न्यूरोलॉजी में पोस्टडॉक्टरल फेलो। "मौखिक स्वास्थ्य का अध्ययन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि खराब मौखिक स्वास्थ्य अक्सर होता है और यह एक आसानी से परिवर्तनीय जोखिम कारक है – हर कोई न्यूनतम समय और वित्तीय निवेश के साथ अपने मौखिक स्वास्थ्य को प्रभावी ढंग से सुधार सकता है।"जिस तरह स्वस्थ जीवन शैली के विकल्प हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को प्रभावित करते हैं, वे मस्तिष्क के स्वास्थ्य को भी प्रभावित करते हैं, जिसमें चीजों को याद रखने, स्पष्ट रूप से सोचने और जीवन में कार्य करने की क्षमता शामिल है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक प्रभाग, अमेरिकन स्ट्रोक एसोसिएशन के नवीनतम अनुमानों के अनुसार, अमेरिका में पांच में से तीन लोग अपने जीवनकाल में मस्तिष्क रोग विकसित करेंगे। 2014 और 2021 के बीच, इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक में नामांकित स्ट्रोक के इतिहास के बिना लगभग 40,000 वयस्कों (46 प्रतिशत पुरुष, औसत आयु 57 वर्ष) के बीच मौखिक स्वास्थ्य और मस्तिष्क स्वास्थ्य के बीच संभावित लिंक का विश्लेषण किया। प्रतिभागियों को 105 जेनेटिक रूपों के लिए जांच की गई थी, जिन्हें जीवन में बाद में कैविटी, डेन्चर और दांत गायब होने के लिए जाना जाता था, और खराब मौखिक स्वास्थ्य और मस्तिष्क स्वास्थ्य के लिए इन आनुवंशिक जोखिम कारकों के बोझ के बीच संबंध का मूल्यांकन किया गया था।प्रतिभागियों के मस्तिष्क की एमआरआई छवियों के माध्यम से खराब मस्तिष्क स्वास्थ्य के संकेतों की जांच की गई: सफेद पदार्थ हाइपरिंटेंसिटी, मस्तिष्क के सफेद पदार्थ में संचित क्षति के रूप में परिभाषित, जो स्मृति, संतुलन और गतिशीलता को कम कर सकती है; और माइक्रोस्ट्रक्चरल क्षति, जो समान उम्र के एक स्वस्थ वयस्क के सामान्य मस्तिष्क स्कैन के लिए छवियों की तुलना में मस्तिष्क की ठीक वास्तुकला में बदलाव की डिग्री है। विश्लेषण में पाया गया कि जिन लोगों में कैविटी होने की संभावना होती है, दांत गायब हो जाते हैं या डेन्चर की जरूरत होती है, उनमें साइलेंट सेरेब्रोवास्कुलर रोग का अधिक बोझ होता है, जैसा कि एमआरआई छवियों पर दिखाई देने वाले सफेद पदार्थ की उच्चता की संख्या में 24 प्रतिशत की वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है। समग्र आनुवंशिक रूप से खराब मौखिक स्वास्थ्य वाले लोगों ने मस्तिष्क की ठीक वास्तुकला को नुकसान पहुंचाया था, जैसा कि एमआरआई स्कैन पर दिखाई देने वाले माइक्रोस्ट्रक्चरल डैमेज स्कोर में 43 प्रतिशत परिवर्तन का प्रतिनिधित्व किया गया था। माइक्रोस्ट्रक्चरल क्षति स्कोर प्रत्येक मस्तिष्क क्षेत्र के ठीक वास्तुकला द्वारा बनाए गए नुकसान का संपूर्ण–मस्तिष्क सारांश है। "खराब मौखिक स्वास्थ्य मस्तिष्क स्वास्थ्य में गिरावट का कारण हो सकता है, इसलिए हमें अपनी मौखिक स्वच्छता के साथ अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि इसका प्रभाव मुंह से कहीं अधिक है," रिवियर ने कहा। "हालांकि, यह अध्ययन प्रारंभिक है, और अधिक सबूत इकट्ठा करने की आवश्यकता है – आदर्श रूप से नैदानिक परीक्षणों के माध्यम से – आबादी में मौखिक स्वास्थ्य में सुधार की पुष्टि करने से मस्तिष्क स्वास्थ्य लाभ होगा।" वश्लेषण इस तथ्य से सीमित था कि यूके बायोबैंक में केवल वे लोग शामिल हैं जो यूके में रहते हैं, और वे मुख्य रूप से यूरोपीय वंश के हैं (यूके बायोबैंक के 94 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अपनी दौड़ को सफेद बनाम 6 प्रतिशत को मिश्रित बताया, काले ब्रिटिश, एशियाई ब्रिटिश या अन्य)। इसके अलावा, विविध नस्लीय और जातीय पृष्ठभूमि के लोगों के बीच और अधिक शोध की आवश्यकता है। अमेरिकन स्ट्रोक एसोसिएशन, अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन का एक प्रभाग, स्ट्रोक काउंसिल के सदस्य और स्वयंसेवी विशेषज्ञ जोसेफ पी. ब्रोडरिक, एमडी, एफएएचए, यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी डिपार्टमेंट ऑफ न्यूरोलॉजी एंड रिहैबिलिटेशन मेडिसिन में प्रोफेसर और यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी गार्डनर न्यूरोसा. इंस इंस्टीट्यूट के निदेशक सिनसिनाटी, ओहियो में, ने कहा कि अध्ययन के परिणाम यह प्रदर्शित नहीं करते हैं कि दंत स्वच्छता मस्तिष्क स्वास्थ्य में सुधार करती है, निष्कर्ष "दिलचस्प" हैं और अधिक शोध को प्रेरित करना चाहिए।ब्रोडरिक ने कहा, "धूम्रपान और स्वास्थ्य की स्थिति जैसे मधुमेह जैसे पर्यावरणीय कारक किसी भी आनुवंशिक मार्कर की तुलना में खराब मौखिक स्वास्थ्य के लिए बहुत मजबूत जोखिम कारक हैं – खराब मौखिक स्वास्थ्य से जुड़ी दुर्लभ आनुवंशिक स्थितियों को छोड़कर, दोषपूर्ण या लापता तामचीनी," ब्रोडरिक ने कहा। मौखिक स्वच्छता और स्वास्थ्य पर ध्यान देना अभी भी अच्छी सलाह है। हालांकि, चूंकि खराब मस्तिष्क स्वास्थ्य वाले लोग सामान्य मस्तिष्क स्वास्थ्य वाले लोगों की तुलना में अच्छे मौखिक स्वास्थ्य पर कम ध्यान देते हैं, इसलिए कारण और प्रभाव को साबित करना असंभव है। इसके अलावा, मौखिक स्वास्थ्य के बढ़ते जोखिम के लिए अनुवांशिक प्रोफाइल अन्य पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक, संक्रमण इत्यादि के लिए अनुवांशिक जोखिम कारकों के साथ ओवरलैप हो सकते हैं जो मस्तिष्क इमेजिंग मार्करों से संबंधित होने के लिए जाने जाते हैं। ब्रोडरिक इस अध्ययन में शामिल नहीं थे।

स्वास्थ्य विभाग ने भंडाफोड किया

बहादुरगढ़: प्राप्त समाचार के अनुसार गर्भ में लिंग जांच करने के मामले का बहादुरगढ़ में स्वास्थ्य विभाग ने भंडाफोड़ किया है। इस मामले में स्वास्थ्य विभाग ने एक महिला को काबू किया है। दरअसल गर्भ में लिंग जांच करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा तैयार फर्जी ग्राहक महिला ने 60 हजार रुपये में सौदा तय किया था, जिसके आधार पर स्वास्थ्य विभाग ने बहादुरगढ़ के एक क्लीनिक और डायग्नोसिस सेंटर पर छापा मारकर महिला को काबू किया है। झज्जर सामान्य अस्पताल में तैनात पीएनडीटी एक्ट की रोकथाम के लिए तैनात ऑफिसर डॉक्टर ममता ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग को सूचना मिली थी कि झज्जर के दिल्ली गेट निवासी कृष्ण नाम का व्यक्ति गर्भ में भ्रुण की लिंग जांच का कार्य करता है। इसी सूचना के आधार पर उन्होंने फर्जी ग्राहक को तैयार किया, जिसके बाद फर्जी महिला ग्राहक को कृष्ण के पास भेजा गया। कृष्ण ने बहादुरगढ़ के डाबौदा गांव निवासी एक महिला पूजा के पास फर्जी ग्राहक को भेजा। पूजा उस ग्राहक को बहादुरगढ़ के डॉक्टर कमला दलाल क्लीनिक लेकर पहुंची, जहां से उसका अल्ट्रासाउंड करने के लिए उसे बालाजी डायग्नोस्टिक सेंटर भेजा गया। इसके बाद महिला ने ग्राहक को बताया कि उसके गर्भ में एक बेटी है। फर्जी महिला ग्राहक ने इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग को दी। बाद में स्वास्थ्य विभाग ने महिला को मौके पर ही दबोच लिया। इस मामले की सूचना पुलिस विभाग को भी दी गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। इस मामले में खास बात यह है कि महिला ने फर्जी महिला ग्राहक को पहले डॉक्टर कमला दलाल क्लिनिक में सामान्य पर्ची कटवाकर चौक करवाया। इसके बाद में उसे सामान्य पर्ची कटवा कर ही उसे बालाजी डायग्नोस्टिक सेन्टर में अल्ट्रासाउंड सेंटर में भेजा। क्लिनिक और अल्ट्रासाउंड सेंटर की इस मामले में संलिप्तता क्या है ये तो जांच के बाद ही पता चलेगा. पकड़ी गई आरोपित महिला को पुलिस ने अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मामले में एक झोलाछाप डॉक्टर का भी नाम सामने आया है। उसी ने लिंग जांच की डील की थी। वह फिलहाल अपना मोबाइल नंबर बंद कर फरार है। उसकी तलाश में पुलिस की टीमें ताबड़तोड़ संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपित हिरासत में होगा। मामले में और कौन–कौन शामिल है, इसका भी पर्दाफाश होगा। मामले में सामने आया है कि पकड़ी गई आरोपित पूजा इलाके के एक गांव की निवासी है। गृहिणी है और इसे मेडिकल लाइन के बारे में कुछ खास जानकारी नहीं है। झज्जर के निवासी कृष्ण की पूजा से जानकारी है। कृष्ण ने पूजा से फोन पर बात की और डिकोय का अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कहा था। कुछ रुपयों का लालच भी दिया था। पुलिस की मानें तो पूजा पर पहले इस तरह का कोई मामला दर्ज नहीं है। वहीं कृष्ण पेशे से झोलाछाप डॉक्टर है। मामला सामने आने के बाद से उसका फोन बंद है। वह फरार है। पुलिस की टीमें उस तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। श्रीबालाजी डायग्नोस्टिक सेंटर और नर्सिंग होम की डॉ. कमला भी जांच के दायरे में हैं। विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस जांच आगे बढ़ा रही है। बहादुरगढ़ सिटी थाना के एसएचओ सोमबीर सिंह ने कहा कि आरोपित महिला को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उससे किसी अन्य मामले का खुलासा नहीं हुआ है। वहीं अन्य आरोपित कृष्ण को भी तलाशा जा रहा है। जल्द ही उसे काबू करेंगे। मामले में गंभीरता से जांच की जा रही है। यदि किसी और का भी हाथ मिलता है तो उसे भी गिरफ्तार करेंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी मधुमेह, बीपी हाई : सर्वे

हैदराबाद: तेलंगाना के 17 लाख से अधिक लोगों में उच्च रक्तचाप पाया गया, जबकि नौ लाख लोगों को स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा गैर–संचारी रोगों (एनसीडी) स्क्रीनिंग कार्यक्रम के दौरान मधुमेह का निदान किया गया, जो रोगों की मूक प्रकृति को उजागर करता है। यह उन कुल 1. 4 करोड़ लोगों में से है, जिनकी पिछले साल कार्यक्रम के तहत राज्य में जांच की गई थी। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, यह लक्षित आबादी का 90 प्रतिशत हिस्सा है, जिसे स्क्रीनिंग के लिए लिया गया था। वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि अस्वास्थ्यकर जीवनशैली और खान–पान की आदतों के कारण ग्रामीण आबादी में भी मधुमेह और उच्च रक्तचाप की घटनाएं अधिक हैं। एनसीडी कई अन्य स्वास्थ्य स्थितियों के जोखिम को बढ़ाते हैं और देश में रोकी जा सकने वाली मौतों का प्रमुख कारण हैं। एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा, "चूंकि इन दोनों बीमारियों के शुरुआती चरणों में कोई बड़ा लक्षण नहीं होता है और आम जनता में लक्षणों के बारे में जागरूकता कम होती है, इसलिए मधुमेह और उच्च रक्तचाप का एक बड़ा बोझ होता है।" उन्होंने आगे कहा: "कार्यक्रम के तहत, हमने रोगियों की पहचान की। उच्च रक्तचाप और मधुमेह वाले व्यक्तियों को हर महीने मुफ्त दवा दी जाती है और आशा कार्यकर्ता नियमित रूप से उनकी प्रगति की निगरानी कर रही हैं। मधुमेह के कुछ प्रमुख लक्षणों में बार–बार पेशाब आना, बार–बार संक्रमण होना, धुंधली दृष्टि, अत्यधिक शुष्क त्वचा, वजन कम होना और हाथों और पैरों में सुन्नता या झुनझुनी सनसनी शामिल हैं। जब उच्च रक्तचाप की बात आती है, सुबह के घंटों के दौरान सिरदर्द, छाती में जमाव और दर्द, कानों में भिनभिनाहट, दृष्टि में परिवर्तन, मतली और चिंता इसके सामान्य लक्षण हैं। "तेलंगाना और आंध्र प्रदेश हमेशा चावल खाने वाले राज्य रहे हैं, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भोजन के विकल्प भी पिछले कुछ वर्षों में तेजी से अस्वास्थ्यकर हो गए हैं। ब्रेड से लेकर फास्ट फूड तक, सब कुछ आम हो गया है और यहां तक कि ग्रामीण इलाके भी अब अस्वास्थ्यकर खाने लगते हैं।"

राष्ट्रीय ज्योतिष संगोष्ठी सम्मेलन

विगत दसाधिक वर्षों की भांति इस वर्ष भी दिनांक 19 फरवरी 2023 को प्रात: 10:00 से सायं 4:00 बजे तक हमारे कार्यालय निवास स्थान **15/754, आदर्श नगर, बाईपास रोड, बुलन्दशहर** पर एकादश राष्ट्रीय ज्योतिष संगोष्ठी सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों से ज्योतिष, तंत्र, हस्तरेखा, टैरो, वास्तु आदि से संबंधित अनेकों विद्वानों की भागीदारी संभावित है. गोष्ठी में ज्योतिष के अनेकों गहन एवं अनसुलझे विषयों पर चर्चा होगी. इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण विश्व बुक रिकॉर्ड धारक तांत्रिक शशि मोहन बहल जी, विश्व में सबसे अधिक रक्तदान करने का इतिहास रचने वाले आचार्य मंडलेश्वर, परम तत्वेत्ता संत श्री कमल किशोर जी, भारत के प्रसिद्ध ज्योतिष जज डॉ के.पी.मुद्गल, महर्षि भारत भूषण भारद्वाज व मेरठ रत्न महामंडलेश्वर डॉक्टर संजीव अग्रवाल जी तथा अन्य जाने–माने विद्वान होंगे.

– **डॉ. सुरेंद्र कुमार शर्मा जी, मो॰ 8630907504, 9711034710.**

रद्द होगी मान्यता

प्राप्त समाचार के अनुसार उत्तर प्रदेश में 11 होम्योपैथिक फार्मेसी कॉलेजों की मान्यता रद्द हो सकती है। जिलाधिकारों के स्तर पर किए गए सत्यापन में ये खुलासा हुआ है कि डिप्लोमा इन होम्योपैथिक फार्मेसी (डीएचपी) की डिग्री देने वाले प्रदेश के 11 कॉलेज कागजों पर चल रहे हैं। इन कॉलेजों को नोटिस जारी किया गया है। जल्द ही कॉलेजों की मान्यता रद्द हो सकती है। जांच में पायी गई कमी बता दें कि उत्तर प्रदेश में तकरीबन 234 होम्योपैथिक फार्मेसी कॉलेज है जिसमें डीएचपी की डिग्री दी जा रही है। हर साल इन कॉलेजों से 14 हजार छात्र डिग्री प्राप्त कर रहे हैं। हाल ही में सूचना प्राप्त हुई थी कि प्रदेश में कई फर्जी होम्योपैथिक कॉलेज संचालित किए जा रहे हैं। इस सूचना के आधार पर उत्तर प्रदेश होम्योपैथिक मेडिसिन बोर्ड ने सभी कॉलेजों का नए सिरे से सत्यापन कराया गया जिसमें विभिन्न जिलों से बोर्ड को 10 जनवरी तक 136 कॉलेज की सत्यापन रिपोर्ट मिली है। इन रिपोर्ट में प्रदेश के 11 होम्योपैथिक कॉलेज फर्जी पाए गए हैं। सत्यापन के दौरान इन कॉलेजों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी पायी गई है। कितने कॉलेजों में शिक्षकों की कमी है तो कितने में भवन, फर्नीचर, लैब सुविधानुसार नहीं पाए गए हैं।जांच के दौरान 11 होम्योपैथिक कॉलेज केवल कागजों पर चलते मिले हैं। इन कॉलेजों में ना तो शिक्षक हैं और ना ही छात्र हैं। जिन कॉलेजों का संचालन दिखाया गया था वहां दूसरे विषय के कॉलेजों चल रहे हैं। इन कॉलेजों की मान्यता रद्द होगी सरकार के द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की होगी जांच इन फर्जी कॉलेजों को सरकार के द्वारा दी गई जाने वाली सुविधाओं की भी जांच होगी। कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों को जो स्कॉलरशिप सरकार के द्वारा दी जा रही थी उसकी भी जांच होगी। कॉलेजों के द्वारा जारी डिग्री का भी सत्यापन किया जाएगा।

सिप्ला के खिलाफ सर्वेक्षण कार्रवाई की

नई दिल्ली: आयकर विभाग ने प्रमुख दवा कंपनी सिप्ला के खिलाफ एक सर्वे की कार्रवाई की है. सूत्रों ने जानकारी दी. उन्होंने कहा कि विभाग कथित कर चोरी की जांच के तहत मुंबई मुख्यालय वाली कंपनी की बैलेंस शीट और अन्य व्यावसायिक दस्तावेजों की जांच के लिए औचक कार्रवाई कर रहा है। कंपनी की प्रतिक्रिया का इंतजार है। एक सर्वेक्षण के हिस्से के रूप में, आयकर विभाग केवल एक कंपनी के व्यावसायिक परिसर को कवर करता है और इसके प्रमोटरों या निदेशकों के आवासों और अन्य स्थानों पर छापा नहीं मारता है। कंपनी ने पिछले सप्ताह एक नियामक फाइलिंग में, अमेरिकी बाजार में मजबूत बिक्री से सहायता प्राप्त, दिसंबर 2022 को समाप्त तीसरी तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में सात प्रतिशत की वृद्धि के साथ 808 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की थी। सिप्ला देश की अग्रणी दवा कंपनियों में से एक है। इसमें 65 चिकित्सीय श्रेणियों में 50 से अधिक खुराक रूपों में 1,500 से अधिक उत्पाद उपलब्ध हैं। 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त तीसरी तिमाही के लिए, कंपनी ने परिचालन से कुल राजस्व 5,810 करोड़ रुपये दर्ज किया, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 5,479 करोड़ रुपये था।

एंटीबायोटिक दवाएं बेअसर

प्राप्त समाचार के अनुसार कोरोना के दौरान सर्दी, जुकाम व खांसी में मनमर्जी से दवाएं लेने के दुष्परिणाम अब सामने आ रहे हैं। कई एंटीबायोटिक दवाओं ने हमारे शरीर पर असर दिखाना ही बंद कर दिया है। "इन्हीं में से एक दवा है एजिथ्रोमाइसिन।" इसके लिए डॉक्टर्स हमें ही जिम्मेदार बता रहे हैं। उनका कहना है कि बिना चिकित्सकीय सलाह लोग मन मुताबिक हरेक एंटीबायोटिक ले रहे हैं। अस्पतालों के आउटडोर में आने वाले हल्के खांसी-जुकाम के मरीजों के लिए एजिथ्रोमाइसिन दवा रामबाण मानी जाती है। इस सॉल्ट के विभिन्न ब्रांड बाजारों में आते हैं। डॉक्टर्स भी लक्षणों के आधार पर मरीजों को सर्वप्रथम इसी सॉल्ट की दवा लिखते आए हैं। फिजिशियन का कहना है कि आउटडोर में आने वाले 60% मरीजों में एजिथ्रोमाइसिन दवा काम तक नहीं कर रही है। एक स्टडी के मुताबिक देश में वर्ष 2020 में जून से सितंबर के बीच एजिथ्रोमाइसिन की 4 करोड़ से अधिक डोज की खपत हुई थी। कई एंटी बायोटिक्स दवाइयों को तो ड्रग रेग्युलेटर से मंजूरी तक नहीं मिली थी। हेल्थ सेक्टर के जर्नल लैंसेट के दक्षिण-पूर्व एशिया में छपी रिपोर्ट में इसका खुलासा किया था। रिसर्च ने भारत के निजी अस्पतालों में कोरोना से पहले के एंटीबायोटिक के प्रयोग पर खोजबीन की। - नूर मोहम्मद, मो॰ 9456269821.

समबुद्धि युक्त मनुष्य इस जीवन में ही
अच्छे तथा बुरे कार्यों को त्याग देता है.
अत: योग में लग जाओ क्योंकि कर्म
बन्धन से छुटने का यही कार्य-कौशल है.

अमृत और मृत्यु दोनों ही
इस शरीर में स्थित हैं.
मनुष्य मोह से मृत्यु को व
सत्य से अमृत को प्राप्त होता है

रणदीप गुलेरिया ने एम्स, बिलासपुर के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला

नई दिल्ली: एम्स नई दिल्ली के पूर्व निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया ने एम्स बिलासपुर के नए अध्यक्ष का पदभार ग्रहण कर लिया. "डॉ प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया ने एम्स बिलासपुर के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला है। डॉ गुलेरिया एम्स, नई दिल्ली के पूर्व निदेशक हैं, और फुफ्फुसीयचिकित्सा, महत्वपूर्ण देखभाल और नींद की दवा के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध विशेषज्ञ हैं," एम्स बिलासपुर ने कहा डॉ गुलेरिया एम्स, नई दिल्ली के निदेशक थे जहां उन्होंने तीन दशकों से अधिक समय तक संकाय के रूप में कार्य किया। उन्होंने 2011 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), नई दिल्ली में पल्मोनरी मेडिसिन एंड स्लीप डिसऑर्डर के एक समर्पित विभाग की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डॉ गुलेरिया फेफड़ों के कैंसर, अस्थमा के क्षेत्र में अपने अग्रणी काम के लिए जाने जाते हैं। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, रेस्पिरेटरी मसल फंक्शन और स्लीप डिसऑर्डर। प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय पत्रिकाओं में उनके 400 से अधिक प्रकाशन हैं, और विभिन्न प्रमुख पुस्तकों में 49 अध्याय हैं।उन्होंने इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (IGMC), शिमला से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की, और बाद में जनरल मेडिसिन में डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी) और पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च से पल्मोनरी मेडिसिन में डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन (डीएम) किया। पद्म श्री और डॉ. बीसी रॉय पुरस्कार से सम्मानित, एम्स दिल्ली के पूर्व निदेशक, अपने विशाल अनुभव और भारत की कोविड प्रतिक्रिया में असाधारण योगदान के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हैं। वह विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के साथ टीकाकरण और इन्फ्लूएंजा टीकाकरण पर अपने वैज्ञानिक सलाहकार समूह के विशेषज्ञों (SAGE) के सदस्य के रूप में भी जुड़े हुए हैं और कई चिकित्सा पत्रिकाओं जैसे द जर्नल ऑफ द जर्नल के संपादकीय बोर्ड का हिस्सा हैं। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (इंडिया), इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज, लंग इंडिया और चेस्ट इंडिया।गौरतलब है कि डॉ. गुलेरिया अप्रैल 2024 में एम्स से सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन उन्होंने 13 नवंबर को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली। गौरतलब है किएम्स दिल्ली से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद, डॉ. गुलेरिया पिछले साल दिसंबर में मेदांता अस्पताल में शामिल हुए थे।

वेतन विवाद बढ़ने से ब्रिटेन को अब तक की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा हड़ताल का सामना करना पड़ रहा है

लंदन: ब्रिटेन में स्वास्थ्य कर्मचारियों की अब तक की सबसे बड़ी हड़ताल हो रही है क्योंकि सरकार के साथ बढ़ते वेतन विवाद में हजारों नर्स और एम्बुलेंस कर्मचारी बाहर चले गए हैं, जिससे पहले से ही तनावपूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली के लिए और व्यवधान पैदा हो गया है। नर्स और एम्बुलेंस कर्मी पिछले साल के अंत से अलग-अलग हड़ताल कर रहे हैं, लेकिन वॉकआउट, जिसमें बड़े पैमाने पर इंग्लैंड में दोनों शामिल हैं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के 75 साल के इतिहास में सबसे बड़ा प्रतिनिधित्व करेगा।इंग्लैंड के शीर्ष चिकित्सक, स्टीफन पॉविस ने कहा कि इस सप्ताह की हड़ताल, जिसमें फिजियोथेरेपिस्ट भी बाहर होंगे, शायद अब तक का सबसे अधिक विघटनकारी होगा। स्वास्थ्य कार्यकर्ता वेतन वृद्धि की मांग कर रहे हैं जो चार दशकों में ब्रिटेन में सबसे खराब मुद्रास्फीति को दर्शाता है, जबकि सरकार का कहना है कि यह अवहनीय होगा और अधिक मूल्य वृद्धि का कारण होगा, और बदले में, ब्याज दरों और बंधक भुगतानों को और ऊपर ले जाएगा। सार्वजनिक क्षेत्र से लगभग 500,000 कर्मचारी पिछली गर्मियों से हड़ताल कर रहे हैं, जिससे प्रधान मंत्री ऋषि सुनक पर विवादों को हल करने और रेलवे और स्कूलों जैसी सार्वजनिक सेवाओं में व्यवधान को सीमित करने का दबाव बढ़ गया है। व्यापार मंत्री ग्रांट शाप्स ने कहा कि वह "चिंतित है कि यह करता है" क्योंकि बैक-अप सेवाओं, जैसे कि सेना, और उन श्रमिकों के बीच सहयोग की कमी है जो हड़ताल कर रहे हैं। रॉयल कॉलेज ऑफ नर्सिंग (आरसीएन) ने बहुत जिम्मेदारी से एनएचएस को बताया कि यह वह जगह है जहां हम हड़ताल करने जा रहे हैं और वे आपातकालीन कवर लगाने में सक्षम हैं। दुर्भाग्य से, हम ऐसी स्थिति देख रहे हैं जिसमें एंबुलेंस संघ जहां वे वह जानकारी देने से इनकार करते हैं, "उन्होंने कहा। एम्बुलेंस कर्मियों ने शाप्स के आरोप का खंडन किया है। यूनाइट यूनियन की नेता शेरोन ग्राहम ने बताया कि वह चाहती थीं कि सुनक बातचीत की मेज पर आएं और उन्होंने सरकार पर एंबुलेंस कर्मचारियों के बारे में झूठ बोलने का आरोप लगाया.उन्होंने कहा, "यह सरकार जान जोखिम में डाल रही है।" एनएचएस, ऐतिहासिक रूप से अधिकांश ब्रितानियों के लिए गर्व का स्रोत है, संचालन के लिए प्रतीक्षा सूची में लाखों रोगियों के साथ अत्यधिक दबाव में है और हर महीने हजारों लोग तत्काल आपातकालीन देखभाल प्राप्त करने में विफल रहते हैं। आरसीएन का कहना है कि एक दशक के खराब वेतन के कारण हजारों नर्सों ने पेशा छोड़ दिया है - पिछले साल की तुलना में 25,000 - कर्मचारियों की गंभीर कमी के कारण रोगी की देखभाल प्रभावित हुई। आरसीएन ने शुरू में मुद्रास्फीति के ऊपर 5 प्रतिशत की वेतन वृद्धि के लिए कहा था और तब से कहा है कि यह सरकार को "आधे रास्ते" से मिल सकता है, लेकिन दोनों पक्ष हफ्तों की बातचीत के बावजूद एक समझौते पर पहुंचने में विफल रहे हैं। इस बीच, जीएमबी और यूनाईटेड ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधित्व वाले हजारों एंबुलेंस कर्मचारी भी अपने ही वेतन विवाद को लेकर हड़ताल पर जाने वाले हैं। दोनों यूनियनों ने कई और दिनों की औद्योगिक कार्रवाई की घोषणा की है। सभी एंबुलेंस कर्मचारी एक साथ हड़ताल नहीं करेंगे और आपातकालीन कॉलों पर ध्यान दिया जाएगा। वेल्स में, नर्सों और कुछ एंबुलेंस कर्मचारियों ने नियोजित हड़ताल वापस ले ली है क्योंकि वे वेल्श सरकार के वेतन प्रस्तावों की समीक्षा कर रहे हैं। सुनक ने पिछले हफ्ते एक टॉकटीवी साक्षात्कार में कहा था कि वह "नर्सों को बड़े पैमाने पर वेतन वृद्धि देना पसंद करेंगे" लेकिन कहा कि सरकार को कठिन विकल्पों का सामना करना पड़ा और वह एनएचएस को अन्य क्षेत्रों जैसे कि चिकित्सा उपकरण और एम्बुलेंस प्रदान करके वित्तपोषित कर रही थी।

एलजी ने दिल्ली सरकार के विभिन्न अस्पतालों में 139 डॉक्टरों की पदोन्नति को मंजूरी दी

नई दिल्ली, उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली सरकार के विभिन्न अस्पतालों में कार्यरत 139 डॉक्टरों की ग्रेड-2 से ग्रेड-1 में पदोन्नति को मंजूरी दे दी है। राज निवास के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि चार साल की सेवा पूरी करने के बाद पात्र बने इन डॉक्टरों (गैर-शिक्षण विशेषज्ञ) की पदोन्नति "2020/2021 से लंबित" थी। प्रारंभिक रूप से यूपीएससी द्वारा 2014/2015 में नियुक्त किए गए, ये डॉक्टर दिल्ली सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे पंडित दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल, गुरु तेग बहादुर अस्पताल, लोक नायक अस्पताल और डॉ बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल में काम कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि वे प्रसूति और स्त्री रोग, ईएनटी (कान नाक गला), बाल चिकित्सा, चिकित्सा, नेत्र विज्ञान, पल्मोनोलॉजी और एनेस्थीसिया सहित विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ हैं।सक्सेना ने इन डॉक्टरों को ग्रेड-2 से ग्रेड-1 में प्रमोशन देने की मंजूरी दे दी है।एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पदभार संभालने के बाद से ही सक्सेना सरकारी अस्पतालों में काम कर रहे चिकित्सा पेशेवरों को बेहतर सेवा शर्तें और सुविधाएं प्रदान करने पर जोर दे रहे हैं और "उन्हें जल्द से जल्द उचित पदोन्नति सुनिश्चित करने" का वचन दिया है।

शोधकर्ताओं ने मूत्र के माध्यम से ब्रेन ट्यूमर का पता लगाने के लिए उपकरण विकसित किया है

टोक्यो: जापान में शोधकर्ताओं की एक टीम ने मूत्र में एक महत्वपूर्ण झिल्ली प्रोटीन की पहचान करने के लिए एक नया उपकरण विकसित किया है जो इंगित करता है कि रोगी को ब्रेन ट्यूमर है या नहीं। टोक्यो विश्वविद्यालय के सहयोग से एसोसिएट प्रोफेसर ताकाओ यासुई और जापान स्थित नागोया विश्व. विद्यालय के प्रोफेसर योशिनोबू बाबा के नेतृत्व में एक शोध समूह ने अच्छी प्लेट के नीचे नैनोवायर का उपयोग करके ब्रेन ट्यूमर ईवी के लिए एक नया विश्लेषण मंच विकसित किया है। उन्होंने ब्रेन ट्यूमर के रोगियों के मूत्र के नमूनों में CD31 और CD63 के रूप में ज्ञात दो प्रकार के बाह्य पुटिका (EV) झिल्ली प्रोटीन की पहचान करने के लिए इस उपकरण का उपयोग किया। लक्षण विकसित होने से पहले डॉक्टर ट्यूमर के रोगियों की पहचान करने में सक्षम हो सकते हैं यदि वे इन टेल-टेल प्रोटीन की तलाश करते हैं। किसी व्यक्ति के मूत्र में ट्यूमर से संबंधित बाह्य पुटिकाओं (ईवीएस) की उपस्थिति एक संभावित संकेत है कि उन्हें ब्रेन ट्यूमर है। ईवीएस नैनोपार्टिकल्स हैं जो सेल-टू-सेल संचार सहित विभिन्न प्रकार के कार्य करते हैं। यासुई ने कहा, "वर्तमान में, ईवी अलगाव और पहचान के तरीकों को अलग करने और फिर ईवी का पता लगाने के लिए दो से अधिक उपकरणों और एक परख की आवश्यकता होती है।" इसके अलावा, शोधकर्ताओं का मानना है कि मूत्र में मौजूद प्रमुख झिल्ली प्रोटीन का उपयोग मस्तिष्क कैंसर का पता लगाने के लिए किया जा सकता है, आक्रामक परीक्षणों की आवश्यकता को समाप्त कर सकता है और सर्जरी के लिए जल्दी ट्यूमर का पता लगाने की संभावना को बढ़ा सकता है "कई शरीर के तरल पदार्थों का उपयोग करके तरल बायोप्सी की जा सकती है, लेकिन रक्त परीक्षण आक्रामक होते हैं," यासुई ने कहा। "मूत्र परीक्षण एक प्रभावी, सरल और गैर-आक्रामक विधि है क्योंकि मूत्र में कई सूचनात्मक जैव अणु होते हैं जिन्हें रोग की पहचान करने के लिए वापस खोजा जा सकता है,"

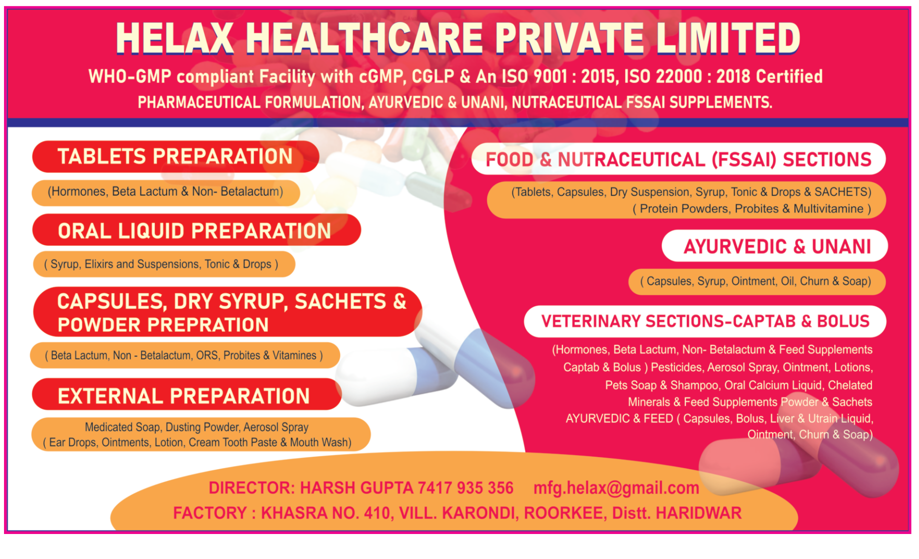

व्यापारियों ने दी बड़ी जिम्मेदारी

OCDUP के प्रदेश महामंत्री सुभाष चौहान को अब भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने दी जनपद मुजफ्फरनगर जिला--ध्यक्ष की जिम्मेदारी भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की एक बैठक राहुल गोयल जी के आवास भारतीय कॉलोनी पर हुई. जिसमें भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जनपद मुजफ्फरनगर इकाई के सभी अधिकारियों ने हिस्सा लिया जिसमें तीन महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई. साथ ही संगठन के जिलाध्यक्ष पद हेतु ड्रग्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुभाष चौहान को सर्वसहमति से जिलाध्यक्ष घोषित किया गया साथ ही पवन बंसल को मंडल उपाध्यक्ष बनाया गया। संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमोद मित्तल द्वारा दोनो पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की गई। कार्यक्रम में मुख्यरूप से राहुल गोयल, डाक्टर महावीर सिंह, प्रशांत अग्रवाल, सतीश तायल, सचिन त्यागी, प्रमोद मित्तल सहित दर्जनों पदाधिकारी मौजूद रहे.

– सतीश तायल, मुजफ्फरनगर, मो० 9760007069.

स्वप्न शास्त्र

राख देखना

मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलेगी प्रसन्नता प्राप्त होगी. स्वास्थ्य में सुधार होगा तथा तनाव दूर होगा. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी तथा परीक्षा में अच्छे अंक आएंगे. पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त होगी. विरोधी परास्त होंगे तथा रुके हुए कार्य प्रारंभ होंगे. वर्षों से चल रहे विवाद समाप्त होंगे तथा मानसिक शांति का अनुभव करेंगे. परिस्थितियां अनुकूल होंगी तथा प्रयत्नों के द्वारा बिगड़े हुए कार्य बनेंगे. भूमि तथा भवन के क्रय-विक्रय से लाभ होगा. व्यापार कार्य में भागीदारी का सहयोग प्राप्त होगा तथा मित्रों में लोकप्रियता प्राप्त होगी. उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा तथा सरकारी नौकरी प्राप्त होगी. शत्रु पक्ष आपके सम्मुख आने की चेष्टा नहीं करेगा तथा समाज में मान सम्मान में वृद्धि होगी. धार्मिक कार्यों की ओर रूझान होगा तथा दान पुण्य आदि शुभ कार्य होंगे. तीर्थ यात्रा का अवसर प्राप्त हो सकता है. धर्माचरण में सुधार होगा तथा आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. वर्षों से चल रहे विवाद समाप्त होंगे तथा व्यापार में इच्छित सफलता प्राप्त होगी. परिजनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा परिवार में सुख एवं शांति का वातावरण बनेगा।

आकाश में बादल देखना

मानसिक कष्टों का सामना होगा मन में अनेक प्रकार के भयानक विचार आएंगे. शारीरिक स्वास्थ्य में गिरावट आएगी तथा औषधियों पर धन का व्यय होगा. शारीरिक पीड़ा में वृद्धि होगी तथा मान सम्मान में कमी आएगी. किसी प्रियजन के द्वारा विश्वासघात किया जाएगा तथा तनाव से पीड़ित रहेंगे. शत्रु पक्ष हावी होने का प्रयत्न करेगा तथा अनेक प्रकार से प्रताड़ित करेगा. व्यर्थ के विवादों से मन परेशान रहेगा तथा कार्यों में रुचि समाप्त होगी. सट्टा एवं लॉटरी में हानि होगी तथा धन का अपव्यय होगा. रोगी व्यक्ति का रोग बढ़ने की संभावना है. शत्रुओं की संख्या बढ़ेगी तथा अपयश की प्राप्ति होगी. चर्म विकारों से परेशान रहेंगे. – डॉ० सुरेन्द्र कुमार शर्मा, मो० 9711034710, 8630907504.

गैस पीड़ितों को कैंसर के इलाज में हो रही परेशानी: SC पैनल

जबलपुर/भोपाल : भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों को मिल रही चिकित्सा सुविधाओं पर नजर रखने के लिए शीर्ष अदालत द्वारा गठित निगरानी समिति ने मप्र. उच्च न्यायालय की खंडपीठ के समक्ष पेश अपनी 19वीं तिमाही रिपोर्ट में कहा कि स्पष्ट निर्देश के बावजूद उच्च न्यायालय के कैंसर रोगी गैस पीड़ितों को नि:शुल्क इलाज कराने में परेशानी हो रही है. भोपाल गैस पीड़ितों के उचित इलाज की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका (पीआईएल) में याचिकाकर्ता गैर सरकारी संगठनों ने याचिका की सुनवाई के दौरान निगरानी समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए निगरानी समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि सिर्फ आयुष्मान कार्ड गैस पीड़ितों में से गैस धारकों को कैंसर रोगी गैस पीड़ितों का नि:शुल्क इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने एम्स, भोपाल को निर्देश दिया था कि कैंसर रोगी गैस पीड़ितों को मुफ्त इलाज मुहैया कराया जाए। चूंकि गैस पीड़ितों के पास डिजिटल कार्ड नहीं है, इसलिए उन्हें वह सुविधा नहीं मिल पा रही है। न्यायमूर्ति शील नागू व न्यायमूर्ति वीरेंद्र सिंह की खंडपीठ ने गैस पीड़ितों को डिजिटल कार्ड उपलब्ध कराने में देरी पर नाराजगी जताते हुए भोपाल स्थित राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के निदेशक को अदालत के डिजिटल कार्ड उपलब्ध कराने के आदेश पर अनुपालन रिपोर्ट पेश करने को कहा. उन्होंने सभी गैस पीड़ितों को 20 फरवरी तक चेतावनी दी और चेतावनी दी कि अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो अदालत उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू कर सकती है. सर्वोच्च न्यायालय ने 2012 में गैस पीड़ितों की चिकित्सा देखभाल पर जनहित याचिका को स्थानांतरित करते हुए गैस पीड़ितों की उचित चिकित्सा देखभाल के लिए 20 सूत्री चार्टर जारी किया था और गैस पीड़ितों को चिकित्सा देखभाल पर नजर रखने के लिए एक निगरानी समिति का भी गठन किया था। राज्य सरकार और भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) के अस्पताल और अस्पताल में कमियों की ओर इशारा करते हुए एमपी उच्च न्यायालय को त्रैमासिक रिपोर्ट पेश करते हैं और सुधार के सुझाव देते हैं। याचिका के लंबित रहने के दौरान, गैस पीड़ितों की उचित चिकित्सा देखभाल के लिए शीर्ष अदालत के निर्देशों का पालन न करने का आरोप लगाते हुए एक अवमानना याचिका और निगरानी समिति द्वारा दिए गए सुझाव को भी याचिकाकर्ता द्वारा दायर किया गया था। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि अब तक सभी गैस पीड़ितों के स्वास्थ्य कार्ड नहीं बनाए गए हैं, बीएमएचआरसी सहित गैस राहत अस्पतालों में मानव संसाधन, दवाओं और गैस पीड़ितों की उचित चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने के लिए उपकरणों की कमी है और स्थिति को सुधारने के लिए निगरानी समिति के सुझाव हैं। बड़े पैमाने पर उपेक्षा की जाती है।

जन्मदिन पर ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं

SHRI NARESH R. WANI JI	JALGAON	10-02-1973	9822051190
SHRI HARENDRA SINGH JI	BULANDSHAHR	10-02-1981	9927474340
SUDARSHAN C. HULLE JI	KOLHAPUR	12-02-1978	9423800596
SHRI KIRAN P. PATIL JI	JALGAON	14-02-1962	9226758586
SHRI SHIVAJI B. THORAT JI	NASHIK	14-02-1966	9850581605
SHRI JITENDRA AGARWAL JI	GONDIA	15-02-1988	9595190822
SHRI MAHESH S. YEOLE JI	JALGAON	15-02-1972	9860665376
SHRI JITENDRA SINGH PARMAR JI	SURAT	18-02-1966	9925172584
SHRI RAJENDRA J. KASLIWAL JI	NASHIK	19-02-1968	9422271630
SHRI MOHIT D. BAUSKAR JI	JALGAON	19-02-1998	9923388531
SHRI DEEPAK PATIL JI	JALGAON	20-02-1977	9028103888
SHRI DHOMASE AMOH KERBHAU JI	PUNE	22-02-1986	9960843929
SHRI VINIT S. CHHAJED JI	DHULE	24-02-1988	9823097511
SHRI GANESH PAWAR JI	PUNE	25-02-1975	9049454244
SHRI SANDIP D. NIKAM JI	NASHIK	25-02-1977	7588555799
Shri VIKRAM A. CHANDANI JI	AHMEDABAD	25-02-1985	9601010009
SHRI MILAN RAMTEKKAR JI	GONDIA	28-02-1973	9823387739
SHRI CHETAN S.KHODKE JI	JALGAON	28-02-1990	9730743642
SHRI RAKESH JAKHAR JI	AMBALA	01-03-1974	9812435615
MR. YOGESH JI	MEERUT	01-03-1983	8273668564
SHRI SUMIT P. BORA	DHULE	01-03-1988	9923430447
SHRI MOHIT AGARWAL JI	AGRA	01-03-1989	9720066158
SHRI AMOL S. BADGUJAR JI	JALGAON	02-03-1979	9405097518
NISAR AHMED JI	DHULE	03-03-1977	9270708180
MR. REHMAN JI	MEERUT	03-03-1989	9027178860
SHRI SAGAR AHAR JI	NASHIK	04-03-1990	7588173388
SHRI GANESH CHAND GOYAL JI	AGRA	05-03-1970	9412550823
DR. BIJENDRA SINGH JI	BULANDSHAHR	05-03-1973	9758547172
DR. RAJ KUMAR GUPTA JI	BULANDSHAHR	05-03-1979	9027966650
DR. Z.A. JI	MEERUT	06-03-1986	9837153352
SHRI JITENDRA P.PUROHIT JI	TAPI	07-03-1986	9725978331
SHRI PUNIT THAKKAR JI	NAGPUR	08-03-1975	9823275620
SHRI VAIBHAV SHAH JI	SURAT	09-03-1979	9825411131
SHRI ASHWANI MALIK JI	KARNAL	09-03-1960	8689000676
SHRI GANESH C. PATIL JI	JALGAON	09-03-1986	9561727946
SHRI MUNAF BHAI JI	SURAT	10-03-1987	9173373700
DR. LALIT KUMAR JI	BULANDSHAHR	10-03-1988	9756484621

मृत्यु के प्रकार व लक्षण

डॉ० सुरेन्द्र कुमार शर्मा

परलोक और पुनर्जन्म का परिचय– मृत्यु इस संसार का सबसे अटल सत्य है. इस सत्य से कोई भी इंकार नहीं कर सकता है और ना ही इसे कोई टाल सकता है. भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि, "जीवन के समान मृत्यु भी अटल सत्य है और मृत्यु के बाद पुन: नया शरीर मिलेगा इस सत्य से भी इंकार नहीं किया जा सकता है. यह जीवन और मृत्यु एक चक्र है, जिसमें सभी जीवधारियों की आत्मा भटकती रहती है." जैसे जीवन में हर कोई अमीर और हर कोई गरीब नहीं होता है, उसी तरह से मृत्यु भी सभी की अलग-अलग तरह से हाती है और यह अपने कर्मों पर निर्भर करती है.

इनकी आत्मा रहती है अशान्त– धर्मग्रंथों में मुख्य रूप से दो प्रकार की मृत्यु बताई गई है – प्राकृतिक तथा अप्राकृतिक. किसी रोग के होने, वृद्धावस्था को प्राप्त होने पर शरीर को आत्मा के द्वारा त्याग दिये जाने को प्राकृतिक मृत्यु कहते हैं. दुर्घटना में, सर्पदंश से, हथियार से, आत्मघात से मृत्यु को प्राप्त हो जाना अप्राकृतिक मृत्यु की श्रेणी में आता है, इस प्रकार की मृत्यु को ही अकाल मृत्यु भी कहा गया है. कहते हैं कि अकाल मृत्यु को प्राप्त मनुष्य की आत्मा अशान्त रहती है क्योंकि उनकी भौतिक इच्छायें पूरी तरह से नष्ट नहीं हो पाती हैं. ऐसे में वह (आत्मा) पृथ्वी लोक और परलोक के बीच में भटकती रहती है. पितृ पक्ष में शरीर का त्याग कर चुके लोगों के नाम से तर्पण करने से आत्मा को तृप्ति व शान्ति मिलती है. शिव पुराण, गरुड़ पुराण, कथोपनिषद् सहित अनेक ग्रन्थों में मृत्यु और उसके बाद की होने वाली घटनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया है.

मृत्यु के पहले बदल जाता है शरीर का रंग– शिव पुराण के अनुसार प्राकृतिक मृत्यु की अवस्था में मृत्यु के कुछ समय पहले से ही शरीर में अनेक लक्षण प्रकट होने लगते हैं. शरीर का सफेद या पीला पड़ जाना साथ ही आँखों में लाली नजर आना इस बात का संकेत होता है कि व्यक्ति की वर्तमान जीवन लीला अब अधिक दिनों तक नहीं बची है.

सूर्य और चाँद दिखने लगते हैं ऐसे– सूर्य अरौर चन्द्रमा के चारों तरफ काली रेखायें दिखने लगें, आग को देखने पर भी उसके चारों तरफ काली लपटें नजर आयें तो यह भी मृत्यु के बहुत निकट होने का संकेत होता है. इन स्थितियों में मनुष्य को सांसारिक मोह माया का त्याग करके अपनी सन्तान को सभी जिम्मेदारियाँ सौंप कर स्वयं को ईश्वर में लीन कर लेना चाहिये, इससे मुक्ति की राह आसान हो जाती है.

फड़कने लगता है बायाँ अंग– मृत्यु बहुत अधिक निकट होने पर पूरे शरीर में दर्द और अंगड़ाई आने लग जाती है, तालु सूखने लगते हैं. शरीर का बायाँ हिस्सा लगातार ही फड़कने लगता है. आत्मा नाभि चक्र को तोड़ कर शरीर को त्यागने लगती है, इससे आँख, नाक और कान की शक्तियाँ क्षीण हो जाती हैं.

साया भी छोड़ देता है साथ– नाक की टिप पर देखने पर नाक का ना दिखना भी मृत्यु के निकट होने का संकेत कहा गया है. मनुष्य के साथ जन्म से ही उसका साया (परछाई) साथ चलता है लेकिन मृत्यु के निकट आ जाने पर साया भी उसका साथ छोड़ देता है. जब मनुष्य को जल, घी, दर्पण, तेल आदि में अपना साया ना दिखे तो यह मृत्यु सम्मुख होने का संकेत कहा गया है.

ब्रह्माण्ड के प्रमुख लोक

मानव का मन बहुत जिज्ञासु होता है. वह प्रकृति के सभी रहस्यों को जानना चाहता है. बहुत से जिज्ञासु लोग गुरुओं के अधकचरे ज्ञान में फँसकर अपना जीवन बर्बाद कर लेते हैं और अधकचरे ज्ञान वाले ये गुरु जिज्ञासु लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ करते हैं. वैदिक ज्ञान के आधार पर आत्मा की आत्म लोक, देव लोक, पित्र लोक तथा मृत लोक नामक चार प्रमुख लोकों में स्थिति का वर्णन मिलता है, जो निम्न प्रकार है–

मृत लोक– जब आत्मा शरीर को त्यागता है तो उसको छ: प्रकार की वायु में रमण करना पड़ता है, जिसमें तीन प्रकार की वायु यम की होती है और तीन प्रकार की वायु इन्द्र नाम की वायु की होती है. इन वायु में रमण करते समय आत्मा के लोक का निर्धारण होता है. यदि शरीर को त्यागते समय आत्मा का रजोगुण और तमोगुण समान है तो व्यक्ति की आत्मा को तेरह (13) दिन के अन्दर ही पुन: मृत लोक अर्थात पृथ्वी लोक पर जन्म मिलता है, जहाँ जन्म के बाद मृत्यु और फिर मृत्यु के बाद जन्म लेने का चक्र चलता रहता है. उसी को मृत-मण्डल कहा जाता है.

पितृ लोक– यदि व्यक्ति की आत्मा के पुण्य अधिक हैं तथा पाप कम मात्रा में हैं तो व्यक्ति की आत्मा देव लोक में जाने को तत्पर रहती है, लेकिन पाप सूक्ष्म मात्रा में रहने के कारण आत्मा देव लोक नहीं जा पाती है. इसलिये ऐसी आत्मा को देव लोक से नीचे का स्थान पितृ लोक मिल जाता है. इसी स्थान में रमण करने वाली आत्मा को हम पित्र लोक की आत्मा कहते हैं.

देव लोक (स्वर्ग लोक)– यदि व्यक्ति की आत्मा के पुण्य ही पुण्य अधिक हैं तो आत्मा सतोगुण की प्रधानता के कारण सूक्ष्म शरीर में रमण करती है. सूक्ष्म शरीर में वायु तत्व और अग्नि तत्व की प्रधानता होती है. ये आत्मा अन्तरिक्ष में रमण करती रहती हैं. ये आत्मायें हमें देख सकती हैं लेकिन हम इन आत्माओं को नहीं देख सकते हैं. ये सूक्ष्म शरीर की आत्मा भिन्न-भिन्न लोकों पर भ्रमण करती रहती हैं. जहाँ पर अत्याचार अधिक होता है, वहाँ पर ये आत्मा अवतार के रूप में जन्म ले लेती हैं तथा धर्म की रक्षा करती हैं. इस लोक को हम देव लोक कहते हैं.

आत्म लोक (ब्रह्म लोक)– जब आत्मा पूर्ण रूप से सतोगुणी होकर तथा स्वेच्छा से योग के द्वारा शरीर को त्यागती है तो उस आत्मा को मोक्ष मिलता है. ऐसी आत्मा परमात्मा के आँगन में ही रमण करती हैं. ये लाखों वर्ष तक जन्म नहीं लेती हैं. ये आत्मा जन्म और मृत्यु के बन्धन से मुक्त हो जाती हैं. ये आत्मायें प्रलय की समाप्ति के बाद पुन: सृष्टि प्रारम्भ करने के लिये जन्म लेती हैं तथा पुन: मोक्ष में चली जाती हैं. ये आत्मा स्वतन्त्र होती हैं, जहाँ मोक्ष रूपी आत्मा निवास करती है, उस लोक को आत्म लोक कहते हैं.

आजकल के जो कतिपय पाखण्डी गुरु हैं, वो पहले महान आत्मा के स्वामी थे, इसलिये इनको पृथ्वी लोक पर जन्म मिल गया है. अब पृथ्वी लोक की आसक्ति, मोह, माया, मद, लोभ तथा धन के लालच में फँस गये हैं कि इनको दोबारा फिर कीड़े-मकोड़े की योनि में जाना पड़ेगा क्योंकि ये ज्ञान के पाखण्ड की चादर ओढ़ कर अज्ञानता से जनता को अधकचरे ज्ञान से मूर्ख बना रहे हैं.

– डा0 सुरेन्द्र कुमार शर्मा, (पी-एच0डी0, एन0डी0, ज्योतिषाचार्य), 15/754, आदर्श नगर बाई पास रोड, बुलंदशहर-203001 [उत्तर प्रदेश], फोन 9711034710, 8630907504, E-mail- sksastrologer@yahoo.in, sksbuland@yahoo.co.in.

फरवरी व मार्च माह के त्यौहार

15 फरवरी 2023	स्वामी दयानन्द सरस्वती जयंती
17 फरवरी 2023	विजया एकादशी
18 फरवरी 2023	महाशिवरात्रि, प्रदोष व्रत
20 फरवरी 2023	सोमवती अमावस्या
21 फरवरी 2023	फुलरिया दूज
23 फरवरी 2023	गणेश चतुर्थी
27 फरवरी 2023	होलाष्टक प्रारम्भ, दुर्गाष्टी
3 मार्च 2023	आमल एकादशी
4 मार्च 2023	प्रदोष व्रत
7 मार्च 2023	होलिका दहन

कार्यशाला का आयोजन

प्राप्त समाचार के अनुसार उद्योग व्यापार मंडल के तत्वाधान में जिला पंचायत सभागार में साइबर क्राइम के विरोध में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था. जिसमें साइबर थाने के पुलिसकर्मियों ने साइबर क्राइम के बचाव के बारे में जानकारी दी।

–आलोक परमार, मो० 9411685803.

अध्ययन से लीवर की बीमारी के इलाज के लिए एंटीबॉडी थेरेपी का पता चलता है

सोलना: गैर-अल्कोहल फैटी लीवर रोग के इलाज के लिए वर्तमान में कोई दवा उपलब्ध नहीं है,जो टाइप 2 मधुमेह वाले कई रोगियों को प्रभावित करती है और लीवर की अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। करोलिंस्का इंस्टिट्यूट के शोधकर्ताओं की अध्यक्षता में एक अध्ययन में फैटी लीवर के उपचार के लिए एक चिकित्सीय उम्मीदवार की पहचान की गई है। जर्नल ऑफ हेपेटोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन इंगित करता है कि एक एंटीबॉडी जो प्रोटीन वीईजीएफ-बी को अवरुद्ध करती है, फैटी लीवर रोग के लिए एक संभावित चिकित्सीय विकल्प प्रस्तुत करती है।

"फैटी लीवर कई गंभीर और कभी-कभी घातक बीमारियों से जुड़ा हुआ है," अध्ययन के पहले लेखक एनेली फल्केवेल ने कहा, मेडिकल बायोकैमिस्ट्री और बायोफिजिक्स विभाग, करोलिंस्का इंस्टीट्यूट, स्वीडन के शोधकर्ता। "चिकित्सीय सिद्धांत के साथ जो हमने विकसित किया है, फैटी लीवर को रो. कना संभव हो सकता है और लीवर की विफलता और टर्मिनल लीवर कैंसर के जोखिम को कम करने की उम्मीद है।"

दशकों से, मोटापा और अधिक वजन एक आम वैश्विक बीमारी रही है, जिसने अन्य समस्याओं के साथ-साथ टाइप 2 मधुमेह की घटनाओं में तेजी से वृद्धि की है।स्वीडिश डायबिटीज एसोसिएशन के अनुसार, अकेले स्वीडन में मधुमेह के 500,000 मामले हैं, जिनमें से 85 से 90 प्रतिशत टाइप 2 हैं। (NAFLD), जो यूरोप और अमेरिका में लीवर की पुरानी बीमारियों, जैसे लीवर की विफलता और लीवर कैंसर का सबसे आम कारण है।सफेद वसा ऊतक में लिपिड के रूप में ऊर्जा को संग्रहित करने की उल्लेखनीय क्षमता होती है, लेकिन पुराने मोटापे और अक्सर टाइप 2 मधुमेह के मामले में, यह पर्याप्त नहीं होता है और रक्त में फैटी एसिड की एकाग्रता बढ़ जाती है। इसलिए उन्हें यकृत सहित अन्यत्र संग्रहित किया जाता है। लिवर में वसा का जमाव न केवल ग्लूकोज के स्राव में बाधा डालता है और इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बनता है, बल्कि यह शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक को स्थायी नुकसान का खतरा भी बढ़ाता है। NAFLD 100 मिलियन से अधिक वयस्कों को प्रभावित करता है, और पिछला शोध NAFLD वाले लोगों में लिवर कैंसर के 17 गुना अधिक जोखिम का संकेत देता है। टाइप 2 मधुमेह वाले लोगों में NAFLD की घटना 25 से 29 प्रतिशत है। एनएएफएलडी के इलाज के लिए वर्तमान में कोई अनुमोदित दवा नहीं है। एंटीबॉडी फैटी एसिड की रिहाई को रोकता है स्पेन में करोलिंस्का इंस्टिट्यूट, सीआईबीईआरडीईएम और सीआईबीईआरओबीएन, अमेरिका में सीएसएल बेहरिंग और ऑस्ट्रेलिया में सीएसएल इनोवेशन के शोधकर्ताओं ने अब फैटी लीवर के विकास को सीमित करने के लिए एक नई विधि का अध्ययन किया है। अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं के पास प्रोटीन वीईजीएफ-बी (वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर बी) के एंटीबॉडी के रूप में एक ड्रग उम्मीदवार तक पहुंच थी, जो सफेद वसा ऊतक से फैटी एसिड की रिहाई को नियंत्रित करता है। अध्ययन के संबंधित लेखक उल्फ एरिकसनने कहा, हमने वसायुक्त यकृत रोग के इलाज की एक नई विधि की पहचान की है जिसमें फैटी एसिड को वसा ऊतक में रखना शामिल है ताकि वे रिसाव न करें और यकृत में जमा न हों।करोलिंस्का इंस्टिट्यूट के मेडिकल बायोकैमिस्ट्री और बायोफिजिक्स विभाग में प्रोफेसर। "हमारे नतीजे बताते हैं कि चूहों में वीईजीबी-बी सिग्नल मार्ग के फार्माकोलॉजिकल अवरोधन यकृत में वसा के संचय को रोकता है और एनएएफएलडी के जोखिम को कम करता है। "अध्ययन सामान्य और आनुवंशिक रूप से संशोधित चूहों पर आयोजित किया गया था जिन्हें अलग-अलग आहार दिए गए थे और दवा उम्मीदवार के साथ इलाज किया गया था।" शोधकर्ताओं ने बेरिएट्रिक सर्जरी कराने वाले 48 मरीजों के वसा ऊतक का भी अध्ययन किया। समूह के आधे लोगों के पास NAFLD था, आधे के पास नहीं था। उनके परिणाम सफेद वसा ऊतक में वीईजीबी-बी सिग्नलिंग के स्तर और एनएएफएलडी की उपस्थिति के बीच एक स्पष्ट संबंध प्रकट करते हैं। प्रोफेसर एरिक्सन ने कहा, "इस रोमांचक दवा उम्मीदवार को आगे बढ़ाने में अगला कदम इसे नैदानिक विकास कार्यक्रम में शामिल करना है।"

नए मंच का उद्देश्य दुर्लभ बीमारियों के लिए नई चिकित्सा विकसित करना है

नई दिल्ली: शोधकर्ता एक नए प्लेटफॉर्म पर काम कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य तीन "दुर्लभ" बीमारियों के लिए जीन और एमआरएनए थेरेपी सहित कई उपचार विकसित करना है, जो भारत में लगभग दस लाख लोगों को प्रभावित करने का अनुमान है। अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत द्वारा पूरे भारत में 18 संस्थानों और 38 जांचकर्ताओं के साथ साझेदारी में आयोजित मायो-मिशन , ड्यूकेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, जीएनई मायोपैथी और लिंब-गर्डल मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (एलजीएमडी) के लिए भविष्य के नैदानिक परीक्षणों को पूरा करने की क्षमताओं को बढ़ाएगा। तीनों बीमारियां या तो मांसपेशियों की कमजोरी या मांसपेशियों की बर्बादी का कारण बनती हैं, और स्थायी विकलांगता का कारण बन सकती हैं। जीव विज्ञान के प्रोफेसर आलोक भट्टाचार्य ने कहा, "भारत में, अनुमान बताते हैं कि तीन बीमारियां संयुक्त रूप से लगभग दस लाख लोगों को प्रभावित करती हैं। इन दुर्बल करने वाली, अक्सर लाइलाज बीमारियों का बोझ भारत में दुर्लभता और निदान और उपचार के विकल्पों की कमी से अधिक होता है।" अशोक विश्वविद्यालय में। भट्टाचार्य ने पीटीआई-भाषा से कहा, "हमारा लक्ष्य मरीजों का समूह विकसित करना, व्यापक डेटाबेस तैयार करना और नैदानिक परीक्षणों का मार्ग प्रशस्त करने के लिए रोग की प्रगति पर शोध करना है।"अपने चरण 1 में, मिशन की योजना मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली और गुजरात के आणंद में पांच क्लिनिकल सेंटर खोलने की है, जो इन बीमारियों के रोगियों का प्रबंधन कर रहे हैं।मिशन के शोधकर्ता विभिन्न पहलुओं पर योजना बनाते हैं जैसे उपचार के लिए चिकित्सीय अणुओं के लिए सिस्टम या प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म विकसित करना, साथ ही परीक्षण उद्देश्यों के लिए पशु और सेलुलर मॉडल विकसित करना। शोधकर्ताओं ने कहा कि मिशन से जुड़े क्लीनिकल समूह भारतीय रोगियों में रोग की प्रगति पर भी नजर रखेंगे।एक बयान के अनुसार जीएनई मायोपैथी और एलजीएमडी जैसी बीमारियों के मॉडल भारतीय रोगियों के लिए नहीं किए गए हैं और नैदानिक अध्ययन और दवा परीक्षण के लिए आवश्यक हैं।मिशन के शोधकर्ता, जिन्होंने सरकार से धन के लिए आवेदन किया है, कई प्रकार के उपचारों का लक्ष्य बना रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि सभी प्रकार के उपचार सभी रोगियों के साथ-साथ विभिन्न रोगों के लिए उपयुक्त नहीं हैं, शोधकर्ताओं ने कहा। उन्होंने कहा कि कई उपचारों की उपलब्धता से रोगियों के बड़े हिस्से को नैदानिक उपचार प्रदान करने में मदद मिलेगी।प्रस्तावित मंच जीन थेरेपी, एमआरएनए थेरेपी, ओलिगो-न्यूक्लियोटाइड-आधारित थेरेपी और छोटे अणु हैं जो ज्ञात या उपन्यास रोग से जुड़े अणुओं को लक्षित करते हैं।शोधकर्ताओं के अनुसार, एक बार विकसित होने वाली ये प्रौद्योगिकियां अन्य बीमारियों के लिए दवाओं के विकास में भी उपयोगी होंगी। सभी दुर्लभ बीमारियोंका एक बड़ा अंश आनुवंशिक विकार है जो मुख्य रूप से माता-पिता से विरासत में मिलता है। चूँकि मनुष्यों में लगभग 25,000 जीन होते हैं, इसलिए जीनों के एक सेट में उत्परिवर्तन से बीमारी का खतरा होता है। विश्व स्तर पर, यह अनुमान लगाया गया है कि लगभग 7,000 प्रकार की दुर्लभ बीमा. रियाँ हैं जिनमें से लगभग 80 प्रतिशत का आनुवंशिक आधार होने की संभावना है। ऐसी बीमारियों के

निदान के नैदानिक तरीके मौजूद हैं, हालांकि वे अक्सर निर्णायक नहीं होते हैंआमतौर पर, अंतिम निदान माता-पिता और बच्चों दोनों के डीएनए अनुक्रमण के माध्यम से ही हो सकता है, हालांकि, यह विधि महंगी है और आबादी के एक बड़े वर्ग के लिए, विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में सस्ती नहीं है। भट्टाचार्य ने कहा कि भारत में लगभग 500 दुर्लभ बीमारियों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि देश में एक विशेष बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों की संख्या कम हो सकती है, हालांकि जनसंख्या के आकार और ऐसी बीमारियों की संख्या को देखते हुए कुल बोझ काफी बड़ा होने का अनुमान है, लगभग 7 करोड़ व्यक्ति।उच्च लागत, शहरी केंद्रों में भी परीक्षण के बुनियादी ढांचे की कमी और यहां तक कि चिकित्सकों के बीच अपर्याप्त जागरूकता जैसे कारणों से देश में इन बीमा. रियों का अक्सर निदान नहीं हो पाता है।लगभग 95 प्रतिशत दुर्लभ बीमारियों का इलाज नहीं होता है, और ज्यादातर मामलों में रोगियों को अत्यधिक विकलांगता के साथ रहना पड़ता है, जो अक्सर लगभग 20 वर्ष की आयु से अधिक मृत्यु का कारण बनता है। जिन 5 प्रतिशत बीमारियों का इलाज है, लेकिन इलाज नहीं है, उनके इलाज की लागत बहुत अधिक है।अधिकांश दवाएं विदेशों में बनाई जाती हैं और उनकी लागत लाखों से लेकर करोड़ों तक होती है, जिससे भारतीय आबादी का एक बड़ा वर्ग पर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल के दायरे से बाहर हो जाता है।भट्टाचार्य ने कहा,"हमारा उद्देश्य लाखों प्रभावित लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए जागरूकता और दवाओं तक पहुंच में सुधार करना है।"वैज्ञानिक ने कहा, "हम मिशन के वित्तपोषण के बारे में सरकार के फैसले का इंतजार कर रहे हैं।"

क्लीनिक संचालक को फंसाने की साजिश

तावडू खंड के गांव खोरी कलां में हनुमान नगर में स्थित एक क्लीनिक पर नशीला पदार्थ हेरोइन छिपाकर सैनिक संचालक को फंसाने की साजिश का खुलासा हुआ है. सदर थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर साजिश में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. उपनिरीक्षक चौकी प्रभारी बलबीर सिंह ने बताया कि श्रीनिवास डॉ. सलाउद्दीन ने पुलिस को सूचना दी कि खोरी कलां हनुमान नगर में वंशिका क्लीनिक पर नशीला पदार्थ रखा है. अगर तुरंत दबिश दी जाए तोसंचालक को नशीला पदार्थ हेरोइन के साथ काबू किया जा सकता है. सूचना मिलने पर पुलिस ने नियम अनुसार राजपत्रित के रूप में तावडू खंड कृषि अधिकारी को मौके पर बुलाया गया. जिसके बाद क्लीनिक संच. ालक को तलाशी लेने का नोटिस दिया गया. तलाशी लेने पर क्लीनिक में दवाइयों के पीछे एक प्लास्टिक पॉलिथीन बंद होने की पुष्टि हुई. पुलिस पूछताछ में संचालक ने बताया कि एक-दो दिन पहले ही शाम को सुनारी निवासी डॉ सलाउद्दीन का साजिश के तहत मौका पाकर पॉलिथीन को क्लीनिक मे छिपाकर उन्हें फंसाने की साजिश रची थी. चौकी प्रभारी ने बताया कि बरामद हेरोइन 8 ग्राम से कुछ अधिक थी. पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज करते हुए साजिश में शामिल गुलाम रसूल और सलाउद्दीन को गिरफ्तार कर लिया है.

– पवन तंवर, तावडू, मो० 9812840765.

अध्ययन: कृत्रिम मानव त्वचा त्वचा के कैंसर में आक्रामक वृद्धि को रोकती है

कोपेनहेगन: कोपेनहेगन विश्वविद्यालय की एक अध्ययन टीम कृत्रिम मानव त्वचा का उपयोग करके एक त्वचा कैंसर मॉडल में आक्रामक वृद्धि को रोकने में सक्षम थी। अध्ययन साइंस सिग्नलिंग में प्रकाशित किया गया है और देखता है कि वास्तव में क्या होता है जब एक कोशिका कैंसर कोशिका में बदल जाती है। "हम कोशिकाओं में से एक सिग्नलिंग मार्ग, तथाकथित टीजीएफ बीटा मार्ग का अध्ययन कर रहे हैं। यह मार्ग अपने परिवेश के साथ सेल के संचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और यह नियंत्रित करता है जैसे सेल विकास और सेल डिवीजन। यदि ये तंत्र क्षतिग्रस्त हैं, कोशिका कैंसर कोशिका में बदल सकती है और आसपास के ऊतकों पर आक्रमण कर सकती है," प्रोफेसर और टीम लीड हंस वंडल ने कहा कोपेनहेगन विश्वविद्यालय में सेलुलर और आण्विक चिकित्सा विभाग से। सामान्य परिस्थितियों में, आपकी त्वचा कोशिकाएं केवल हाइपोडर्मिस पर आक्रमण करना और कहर बरपाना शुरू नहीं करेंगी। इसके बजाय, वे त्वचा की एक नई परत का उत्पादन करेंगे। लेकिन जब कैंसर कोशिकाएं उभरती हैं, तो कोशिकाएं त्वचा की परतों के बीच की सीमाओं का सम्मान नहीं करती हैं, और वे एक-दूसरे पर आक्रमण करना शुरू कर देती हैं। इसे आक्रामक वृद्धि कहा जाता है। हंस वैंडल और उनके सहयोगी टीजीएफ बीटा मार्ग का अध्ययन कर रहे हैं और आक्रामक वृद्धि को रोकने के लिए तरीकों को लागू कर रहे हैं और इस प्रकार त्वचा कैंसर में आक्रामक वृद्धि को रोक रहे हैं।

हमारे पास पहले से ही विभिन्न दवाएं हैं जो इन सिग्नलिंग मार्गों को अवरुद्ध कर सकती हैं और जिनका परीक्षण में उपयोग किया जा सकता है। हमने इस अध्ययन में उनमें से कुछ का उपयोग किया है, एसोसिएट प्रोफेसर और स्कूल ऑफ डेंटिस्ट्री के सैली डाबेलस्टीन के अध्ययन के सह-लेखक ने कहा।हंस वैंडल और सैली डाबेलस्टीन ने स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान संकाय में नोवो नॉर्डिस्क फाउंडेशन सेंटर फॉर प्रोटीन रिसर्च के डॉ. जिलू ये और प्रोफेसर जेस्पर वी. ऑलसेन के साथ मिलकर काम किया है। इनमें से कुछ दवाओं का पहले ही मनुष्यों पर परीक्षण किया जा चुका है, और कुछ अन्य प्रकार के कैंसर के संबंध में परीक्षण की प्रक्रिया में हैं। उन्हें विशेष रूप से त्वचा कैंसर पर भी परीक्षण किया जा सकता है, उसने कहा। कृत्रिम त्वचा ऐसी दिखती है। कृत्रिम त्वचा वास्तविक मानव त्वचा के सबसे करीब है। नए अध्ययन में शोधकर्ताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली कृत्रिम त्वचा में कृत्रिम, आनुवंशिक रूप से हेरफेर की गई मानव त्वचा कोशिकाएं होती हैं। कोलेजन से बने उपचर्म ऊतक पर त्वचा कोशिकाओं का उत्पादन होता है। यह कोशिकाओं को वास्तविक मानव त्वचा की तरह परतों में विकसित करता है। चूहों के मॉडल के विप. रीत, त्वचा मॉडल, जो कृत्रिम त्वचा के लिए एक और शब्द है, शोधकर्ताओं को कृत्रिम आनुवंशिक परिवर्तनों को अपेक्षाकृत तेजी से पेश करने की अनुमति देता है, जो त्वचा के विकास और नवीनीकरण का समर्थन करने वाली प्रणालियों में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। इस तरह वे केवल त्वचा कैंसर ही नहीं, बल्कि अन्य त्वचा विकारों के विकास को भी पुनः उत्पन्न करने और उनका अनुसरण करने में सक्षम हैं. "कृत्रिम मानव त्वचा का उपयोग करके हम संभावित समस्याग्रस्त बाधा को दूर कर चुके हैं कि क्या चूहों के मॉडल पर परीक्षण के परिणाम मानव ऊतक में स्थानांतरित किए जा सकते हैं। पहले, हमने इस तरह के अधिकांश अध्ययनों में चूहों के मॉडल का उपयोग किया था। इसके बजाय, अब हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि ये पदार्थ शायद हानिकारक नहीं हैं और अभ्यास में काम कर सकते हैं, क्योंकि कृत्रिम त्वचा का मतलब है कि हम मानव वास्तविकता के करीब हैं," हंस वैंडल ने कहा। शोधकर्ताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली कृत्रिम त्वचा यूरोपीय संघ में सौंदर्य प्रसाधनों का परीक्षण करने के लिए उपयोग की जाने वाली त्वचा के समान है, जिसने 2004 में पशु परीक्षण पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि, कृत्रिम त्वचा शोधकर्ताओं को पूरे जीव पर दवा के प्रभाव का परीक्षण करने की अनुमति नहीं देती है, हंस वैंडल बताते हैं. 1980 के दशक के मध्य से सौंदर्य प्रसाधन कंपनियों द्वारा यहां उपयोग किए जाने वाले त्वचा मॉडल का उपयोग किया गया है। "हम व्यक्तिगत अंग त्वचा पर ध्यान केंद्रित करने वाले प्रभाव का अध्ययन कर सकते हैं और फिर हम अनुभव प्राप्त कर सकते हैं कि अणु कैसे काम करते हैं, जबकि हम यह निर्धारित करना चाहते हैं कि क्या वे त्वचा की संरचना और स्वस्थ त्वचा कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं,"

+ Veterinary GRAMPUS Division +
MANUFACTURER of ECTOPARASITICIDES
Email-id: sales.grampus@gmail.com
Web Site: www.grampuslaboratories.com
1. AMITRAZ -5% & 12.5%
2. AMITRAZ -2% POUR ON
3. FLUMETHRIN -1% POUR-ON
4. CYPERMETHRIN -1%, 10%,12%, 15%
5. CYPERMETHRIN -10% + ETHION 8%
6. CYPERMETHRIN -1%, 10% POWDER
7. DELTAMETHRIN -1.25% , 1.75%, 2.5%
8. PERMETHRIN -2%, 5%, 10%, 11%
9. FIPRONIL -0.25%, 1%, 9.7%
ALL PACKS AVAILABLE IN ALUMINIUM, TIN & PET BOTTLES
6ml, 15ml WALL HANGING TRAY PACKS AVAILABLE
FOR PCD & THIRD PARTY : 099960-19744. 78762-20222.
GRAMPUS LABORATORIES
Mfg. Unit: Johron, Near Industrial Area, Kala Amb.(H.P)

Commited to Quality and Services
CELEBRATING GOLDEN YEARS 25th ANNIVERSARY
Om Biotec has Certified ISO 9001 : 2015, is the Manufacturer & Exporter of Pharmaceuticals products and in the trade since 1997, Export to Several Countries since 1997.
TABLETS | INJECTABLES | SOFT GEL CAP | AYURVEDIC PRODUCTS
CAPSULES | EYE/EAR DROP | PROTEIN POWDER | NUTRACEUTICALS
OINTMENT | LIQUID | DRY SYRUP/DROP | SOAP/SHAMPOOS
DERMA CARE | SKIN CARE | DENTAL CARE | FOOD SUPPLEMENT
We provide all kind of PROMOTIONAL MATERIAL i.e.
✓Visual Aid ✓Reminder Card ✓Corporate Gift Articles ✓Leaf Behind ✓Bags ✓Sample Catch Cover
OM BIOTEC
Exporter and Importer / A Govt. of India Recognized Export House
Office : 24/4814, Mathur Lane, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-110002
Tel : 011-23276277/ 23257768
Email: ombiotec@gmail.com
Website : www.ombiotec.com
Mobile: +91-8287405552
Mobile: +91-9911193164
Mobile: +91-9911262100
Mobile: +91-9810060234
Enquiries Solicited for Franchise
MONOPOLY RIGHTS | TIMELY DELIVERIES | MORE THAN 350 PRODUCTS | NEW DCGI MOLECULES
Begins | Inspiration | Motivation | Investment | Hardwork | Success

With Best Compliments From Xenon Pharma Pvt. Ltd.
XENON The innovative People
XENON Pharma Pvt. Ltd.
(A WHO-GMP Certified Company)
For PCD Franchise & Distribution Marketing
• Leader in Covid Range FERAVIR, VORICONAZOLE , POSACONAZOLE, IVERMECTIN & Many more..
• Achieving Customer Satisfaction is Fundamental to our Business, As we provide latest molecules with highest quality standards.
• We also Provide Scientific Data, Promotional Inputs & Gift Articles For Ethical Working and Better Promotion.
• Our most of the Brands are with Registered Trademark & many molecules are first time in India.
• Assurance of Timely Delivery, High Quality & Cost Effective Product Range.
• Competitive Rates and MRPs as per DCGI Norms.
• Timely Delivery & 100% availability of products.
XENON Pharma Pvt. Ltd.
Plot No. 79-80, Sec-6A, IIE, Sidcul, Haridwar-249403
Contact : +91 9811249056, 9971370555
xenonpharmapvtltd.in
Third Party Manufacturing Proposals are also invited

सुरक्षा जीवन का अर्थ है, सुरक्षा के बिना सब व्यर्थ है

Zesiya Healthcare
THIRD PARTY Manufacturing Services
More than 500+ (Composition) Available
Niva-D3 | Active-D3 | Vell-D Neno | Need 60 k
Production in:- Tablets, Capsules, Syrup, Drop, Protein Powder, Sachet .
Marketing :- +91 8006077773
Email :- zesiyasales@gmail.com
Adders:- Near Raj Mahal Hotel, Roorkee Dist. Haridwar(U.K) 247661
Head Office :- 7, Meedo Complex, Saharanpur Chowk Dehradun-248001

नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर

बुलन्दशहर यमुनापुरम में जीटी रोड स्थित क्षमता आयुर्वेदिक केंद्र पर तीन दिवसीय निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में कुल 240 रोगियों के चिकित्सा परामर्श लिया. जिनमें पहले दिन 55 रोगी दूसरे दिन 60 रोगी एवं अंतिम दिन 125 रोगियों ने चिकित्सा परामर्श लिया. इस अवसर पर पंचकर्म एवं क्षार सूत्र चिकित्सा विशेषज्ञ हितेश कौशिक ने बताया कि हमारी व्यस्त दिनचर्या के कारण गलत खान-पान के कारण एवं अत्यधिक तनाव में रहने के कारण हृदय रोगियों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ी है. विशेष रूप से युवाओं में हृदय रोग बहुत तेजी से बढ़ रहा है. जिसमें कोलेस्ट्रोल का अधिक होना मुख्य कारण है. इसके साथ उच्च रक्तचाप भी बहुत हानि पहुंचाता है. इनसे बचाव के लिए अगर हम औषधियों का प्रयोग ना करके, अपनी दिनचर्या ठीक करके खानपान को सुधार लें, नियमित सुबह खाली पेट व्यायाम, योग एवं प्राणायाम का अभ्यास करें, सुबह खाली पेट 5 कली लहसुन की एलोवेरा के जूस के साथ सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल जल्दी नियंत्रण में आ जाता है. इस समय पर चिकनाई का सेवन ना करें, रात को देर से एंव दिन में ना सोए, अत्याधिक तला हुआ भोजन का प्रयोग ना करें, फास्ट फूड का प्रयोग ना करें. ऐसा करने से हम हृदय रोग से बचे रहेंगे. शिविर में संतोष रविकांत आदि का विशेष सहयोग रहा. – वेद्य हितेश कौशिक, मो० 9456473577, बुलन्दशहर.

नशा तस्कर गिरफ्तार

प्राप्त समाचार के अनुसार अपराध जांच शाखा तावडू टीम ने नशा गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक नाइजीरियन नागरिक सहित नशा तस्करों को नशीला पदार्थ हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है. दोनों से तीन मोबाइल और एक स्कूटी बरामद की गई. बरामद नशीले पदार्थ की कीमत लगभग 13 लाख बताई गई है. कुछ दिन पहले घुसपैठ में रेलवे लाइन के समीप से 47 ग्राम हेरोइन सहित एक युवक को दबोचा गया था. इसी कड़ी में तावडू सीआईए ने अब एक नाइजीरियन नागरिक सहित दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है. –पवन तंवर, तावडू, मो० 9812840765.

दवा व्यापार मंडल का आंदोलन

प्राप्त समाचार के अनुसार 15 फरवरी से देश के सभी राज्यों में दवा विक्रेताओं का ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ हल्ला बोल आंदोलन का आयोजन किया जाएगा जिसमें देश की समस्त तहसील में बड़े-बड़े कारपोरेट के खिलाफ सभी केमिस्ट एकत्र होकर आंदोलन करेंगे.

A Fastest Growing Derma Company With Latest Products........
Franchise
Skin Specialist
Products
e-derma
Pharma India Pvt. Ltd.
(An ISO 9001:2015 Certified Company)
More Than 200 Products
9034435000, 9034635000
edermapharma@hotmail.com
www.edermapharma.com

आंख की दवाइयों के उत्पादन पर रोक

प्राप्त समाचार के अनुसार भारतीय दवा नियामक ने चेन्नई स्थित ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर से आंख की सभी दवाइयों का उत्पादन रो. कने को कहा है. अमेरिका में कंपनी के आई ड्रॉप से संक्रमण के 55 मामले सामने आने के बाद यह फैसला किया गया है कि जिसमें से एक व्यक्ति की मौत भी हो गई है. अधिकारियों ने बताया कि ग्लोबल फार्मा की तरफ से अमेरिका से अपने आई ड्रॉप को वापस मंगाने के बाद केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन सीडीएससीओ और राज्य दवा नियंत्रण की टीम सदस्य टीम ने तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित कंपनी के प्लॉट का निरीक्षण किया था. टीम में निर्यात किए गए आई ड्रॉप एंड जी. के. आर्टिफिशियल टियर्स के नमूने भी उठाए थे. इसके बाद ही कंपनी से जांच पूरी होने तक आंख की सभी दवाइयों का उत्पादन निलंबित करने को कहा गया है. इसी के साथ अमेरिकी खाद्य एवं दवा प्रशासन एफडीए ने जानकारी दी कि मुंबई स्थित दवा कंपनी लूपिन फार्मास्यूटिकल्स उत्पादन संबंधी खामियों के चलते अमेरिका बाजार से अपनी त्वचा के इलाज में संबंधित क्रीम व ट्यूब को वापस मंगवा लिया है. यह दवा एक स्टेरॉयड है. जिसका इस्तेमाल त्वचा की सूजन लालिमा और खुजली को कम करने और त्वचा की जलन रोकने के लिए किया जाता है।

– नूर मोहम्मद, रामपुर, मो० 9456269821.

जैसी करनी वैसा फल
आज नहीं तो निश्चय कल

InMed THERAPEUTICS INDIA (AN ISO 9001:2008 CERTIFIED CO.)
a step towards complete General Healthcare Diabetic & Cardiac Care
More than 400 Products
WHO - GMP Certified With Latest DCGI Molecules
We offer a widest range of exclusive Diabetic & Cardiac Care alongwith general range including Tablets, Capsules, Syrup, Injection
We offer Promotional Inputs, Samples, Visualaid, Gift, MR bag.
Trade enquiries welcome
Financially sound parties may contact for monopoly basis Franchises/PCD distributionship on
InMed THERAPEUTICS INDIA
Scan for more information
Ground Floor, 286, Industrial Area, Phase-1 Panchkula (Haryana) Pincode - 134109
Mob. : 9216295095, 0172-5025095
Email : inmedindia@gmail.com, Website : www.inmedpharma.in

ORDER ONLINE NOW
WWW.SWAPURNAS.COM
Why SWAPURNAS?
The Indian skincare expert - Swapurnas continuously innovates to offer a wide range of high performance and world class skincare products. Combining international technology with an in-depth understanding of the skin, Swapurnas offers its consumers an exclusively luxurious experience through its products that are ideal for a variety of skin tones.
SWAPURNAS
Be Natural By Nature
FIRST TIME IN INDIA
OUR HAND CRAFTED PRODUCTS
CRS SERUM | INSTANT AGELESS | DARK SPOT REMOVAL | SERUM VIT-C, B5, VIT-E

Leroi
A Professionally Managed Fast Growing Company with a Wide Range of Innovative and Latest Multidimensional Ethical Product with Latest Molecule.
Third Party Manufacturing Facility Available with Spare Capacity
Tablets Beta & Non Beta | Capsules Beta & Non Beta | Veterinary Products Beta & Non Beta
Oral Liquid Syrup & Susp. | Dry Syrup Beta & Non Beta
GMP & GLP Certified & WHO Compliance
Alu-Alu Pack Available | Latest Attractive Packaging
Competitive Price | Timely Delivery of Goods
Come Join Hands with us:
• Small Batch Manufacturing
• Bulk Order Manufacturing
• Third Party/Marketed by Arrangement
• For Sole Marketing Rights for Unrepresentated areas
For any information, please fell free to contact:
LEROI PHARMACEUTICALS PVT. LTD
159 GHA, Village- Simloni, Post- Manglor, Roorkee, Distt.- Haridwar. 247656 (U.K.)
Ph +919720002852, 9758250300, 9758003741
Email: Leroipharma1@gmail.com | web: www.leroipharma.com

ब्रजेश कुमार गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एण्ड पैकिंग लिमिटेड नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं बी.एन.मैडीकल कॉम्प्लैक्स, बुलन्दशहर से प्रकाशित सम्पादक- ब्रजेश कुमार गर्ग.